सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 213 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 17 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायगढ़ में मधुमक्खियों के हमले से 7 लोग घायल, सभी अस्पताल में भर्ती

रायगढ़। जिले के ऐतिहासिक पुरातात्विक स्थल सिंघनपुर गुफा में शोध करने पहुंचे रायपुर की अलग-अलग यूनिवर्सिटी के 4 शोधकर्ता और 1 वैज्ञानिक पर मधुमक्खियों के बड़े झुंड ने हमला कर दिया। इस घटना में सभी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें डायल 108 और वन विभाग के कर्मचारियों की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला मुख्यालय से करीब 18 किलोमीटर दूर स्थित सिंघनपुर गुफा में अक्सर दूर-दराज से शोधकर्ता अध्ययन और शोध कार्य के लिए पहुंचते हैं। शनिवार को रायपुर की अलग-अलग यूनिवर्सिटी से पांच सदस्यीय टीम यहां शोध करने पहुंची थी। टीम में 1 वैज्ञानिक और 4 शोधकर्ता शामिल थे। मधुमक्खियों के हमले में वैज्ञानिक स्मृद्धि (69), ब्रम्हानंद धृतलहरे (27), भाग्यश्री (30), सुमन (35), निहारिका (36) और वन विभाग के रामझरना प्रभारी गितेश्वर पटेल और चौकीदार ईश्वर यादव घायल हो गए।

कवर्धा में आदिवासी युवती से गैंगरेप, दो आरोपी गिरफ्तार

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में आदिवासी युवती से गैंगरेप किया गया है। परिचित लड़के पहले छठ्ठी कार्यक्रम में शराब पिलाई, फिर जंगल में ले जाकर बारी-बारी से रेप किया। वारदात के बाद युवती को बेहोशी की हालत में छोड़कर भाग निकले। हालांकि पुलिस ने दोनों को अरेस्ट कर लिया है। मामला चिल्फी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक युवती गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात परिचित के यहां से छठ्ठी कार्यक्रम से घर लौट रही थी। इस दौरान शराप पिलाए परिचित युवकों ने रानीदहरा और सरोदा दादर के बीच जंगल में युवती से रेप किया और मौके से फरार हो गए। किसी तरह युवती थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। ऐसे में चिल्फी थाना और महिला थाना पुलिस सक्रिय हुई और पीड़िता को तत्काल उपचार और मेडिकल परीक्षण के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई।

थाईलैंड ओपन के फाइनल में हारे सात्विक-चिराग

नईदिल्ली। भारत की स्टार पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीतने से चूक गई। बैंकॉक में खेले गए रोमांचक फाइनल में इंडोनेशिया की लियो कार्नांडो और डेनिएल मार्टिन की जोड़ी ने भारतीय खिलाड़ियों को 53 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 25-23 से हराया।लियो कार्नांडो और डेनियल मार्टिन की जोड़ी के लिए यह जीत बेहद खास रही। दोनों खिलाड़ी दो साल बाद फिर साथ खेले थे, क्योंकि डेनियल घुटने की गंभीर चोट और सर्जरी के बाद वापसी कर रहे थे। यह पहली बार भी था जब इंडोनेशियाई जोड़ी ने सात्विक-चिराग को हराया। इससे पहले भारतीय जोड़ी का उनके खिलाफ 4-0 का रिकॉर्ड था। भारतीय जोड़ी खिताब जीतने से भले ही चूक गई, लेकिन टूर्नामेंट में उनके जज्बे ने साबित कर दिया कि वे दुनिया की सबसे मजबूत पुरुष युगल जोड़ियों में शामिल हैं।

प्रतिभा को सम्मान : बीएसपी साइकलिंग क्लब के साइक्लिस्ट सनी कुमार का साई कुरुक्षेत्र में चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर चमकने का मौका मिला है। भिलाई स्टील प्लांट साइकिलिंग क्लब के साइकिलिस्ट सनी कुमार का चयन भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) में हुआ है। सनी कुमार मरोदा भिलाई के रहने वाले हैं और इनके चयन से भिलाई व छत्तीसगढ़ गौरवान्वित हुआ है।

छत्तीसगढ़ साइकिल के महासचिव विनायक चन्नावार ने बताया कि छत्तीसगढ़ की धरती में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें राज्य में ही बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और अवसर देने की है। इसी का एक उदाहरण मरोदा भिलाई के साइक्लिंग खिलाड़ी सनी कुमार हैं, जिनका चयन भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के कुरुक्षेत्र साइकलिंग प्रशिक्षण केंद्र में हुआ है।

सनी कुमार ने छत्तीसगढ़ के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला स्टेशन मरोड़ा से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की है उसकी साइकलिंग खेल की शुरुआत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला स्टेशन मरोड़ा से छठवीं कक्षा से हुई। अत्यंत साधारण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले इस खिलाड़ी ने कठिन परिस्थितियों के बीच अपनी मेहनत, अनुशासन और संघर्ष के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ साइकलिंग संघ के एनआईएस प्रशिक्षक प्रतीक मानोध्या सनी के मुख्य प्रशिक्षक हैं जिन्हें सनी अपना आदर्श मानते हैं। इस सफलता के पीछे छत्तीसगढ़ साइक्लिंग संघ, प्रशिक्षकों एवं गुरुजनों की वर्षों की मेहनत तथा प्रोत्साहन , मार्गदर्शन और समर्पण जुड़ा हुआ है।

सीमित संसाधनों में ही खिलाड़ी को निरंतर तैयार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप आज वह राष्ट्रीय स्तर की अकादमी तक पहुंचा है। छत्तीसगढ़ साइकलिंग संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु द्विवेदी, बीएसपी साइकलिंग क्लब के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर, बीएसपी साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह तथा समस्त पदाधिकारियों ने साइकिलिस्ट सनी कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की है कि आगे और भी खिलाड़ी देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

जनगणना 2027: जीपीएम ने रचा इतिहास 100 फीसदी लक्ष्य पूरा, बना नंबर 1 जिला

मुख्यमंत्री साय की 'सुशासन नीति' का असर, छत्तीसगढ़ में 60 फीसदी से अधिक मकान सूचीकरण पूरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी राष्ट्रीय जनगणना 2027 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। राज्य के सभी जिलों और नगर निगमों में मकान सूचीकरण ब्लॉकों के गठन और सत्यापन का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में जारी आधिकारिक प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में अब तक कुल 60.73 फीसदी कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस महाअभियान में डिजिटल टेक्नोलॉजी के सटीक समन्वय से कुल 48,742 ब्लॉकों में से 29,602 ब्लॉकों का कार्य पूर्ण हो चुका है।

राज्य की इस प्रगति पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संतोष व्यक्त करते हुए गौरेला- पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिला प्रशासन और प्रदेश भर के प्रगणकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' और सुशासन के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। आगामी जनगणना 2027 के ये आंकड़े डिजिटल तकनीकों का उपयोग कर समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना सराहनीय है। जिन शहरों या निगमों में गति धीमी है, वहां के अधिकारी मैदानी मॉनिटरिंग बढ़ाएं और जल्द से जल्द इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य को गति दें।

कई जिले शत-प्रतिशत के करीब

राज्य स्तर पर जिलों के प्रदर्शन को देखा जाए तो जीपीएम जिला सूची में शीर्ष पर है, जिसने अपने सभी 528 मकान सूचीकरण ब्लॉकों का कार्य 100 प्रतिशत पूरा कर लिया है। इसके बाद जशपुर (99.87 प्रतिशत) और मोहला- मानपुर-अंबागढ़ चौकी (99.84 प्रतिशत) जिले भी पूर्णता के बेहद करीब हैं। इसके अलावा बेमेतरा (97.8 प्रतिशत) और मुंगेली (96.52 प्रतिशत) जिलों में भी काम लगभग खत्म होने की कगार पर है।

बड़े शहरों की रफ्तार धीमी रायपुर-भिलाई पिछड़े

एक तरफ जहां ग्रामीण और दूरस्थ जिलों ने बाजी मारी है, वहीं राज्य के बड़े शहरों और नगर निगम क्षेत्रों में काम की रफ्तार चिंताजनक रूप से धीमी दर्ज की गई है। रायगढ़ नगर निगम सूची में सबसे निचले पायदान पर है, जहां महज 4.65 फीसदी काम ही पूरा हो सका है। औद्योगिक हब भिलाई नगर में केवल 7.84 फीसदी और रिसाली में 8.33 फीसदी कार्य ही संपन्न हुआ है। राजधानी रायपुर की बात करें तो यहां कुल 1,964 ब्लॉकों में से केवल 203 ही पूरे हो पाए हैं, जो कि कुल लक्ष्य का मात्र 10.34 फीसदी है।

प्रशासनिक मुस्तैदी का असर

राहत की बात यह है कि राज्य के अधिकांश जिलों में 'HLBs Not Started' का आंकड़ा शून्य है। इसका मतलब है कि मैदानी स्तर पर प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय है। कबीरधाम के महज 1 ब्लॉक को छोड़कर हर जगह काम शुरू हो चुका है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि बचे हुए 'प्रगति पर' कार्यों को भी जल्द से जल्द पूरा करने के लिए नगर निगम आयुक्तों और जिला कलेक्टर्स को विशेष नोडल अधिकारी तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रपति ने एससी में जजों की संख्या बढ़ाकर 37 करने की दी मंजूरी

नईदिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश की न्याय व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने के महत्वपूर्ण प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है। राष्ट्रपति ने इसके लिए 'सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026' जारी किया है। इस नए अध्यादेश के लागू होने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 33 से बढ़ाकर 37 कर दी गई है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि इन 37 जजों में भारत के मुख्य न्यायाधीश यानी चीफजस्टिस ऑफ इंडिया शामिल नहीं होंगे। यदि मुख्य न्यायाधीश को भी इसमें शामिल कर लिया जाए, तो अब सुप्रीम कोर्ट में जजों की कुल स्वीकृत संख्या 38 हो जाएगी। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों के बढ़ते बोझ को कम करना है। सरकार चाहती है कि आम लोगों को तेजी से न्याय मिले। जजों की संख्या

बढ़ने से मुकदमों की सुनवाई में तेजी आएगी और वर्षों से अटके हुए केसों का निपटारा जल्दी हो सकेगा।

कानून मंत्री ने दी जानकारी

केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने 'सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) अधिनियम, 1956' में संशोधन करने वाले अध्यादेश को अपनी स्वीकृति दे दी है। यह अध्यादेश केंद्र सरकार के उस फैसले के कुछ ही दिनों बाद आया है, जिसमें केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सुप्रीम कोर्ट में चार नए जजों के पद बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

दुर्ग में दिव्यांग महिला का मर्डर, चौकी से कुछ दूरी पर वारदात, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जेवरा चौकी क्षेत्र में बीती रात दिव्यांग महिला की हत्या से सनसनी मच गई। पुलिस चौकी से महज 100 मीटर की दूरी पर यह वारदात हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मृतका की पहचान सरस्वती पटेल (उम्र लगभग 40 वर्ष) के रूप में हुई है, जो शारीरिक रूप से अपंग थी। इस मामले में पुलिस ने मृतका के बेटे अश्वनी पटेल को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है। जेवरा सिरसा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक खगेन पठारे ने बताया

कि मृतका सरस्वती पटेल अपने बेटे अश्विनी पटेल के साथ रहती थी। अश्वनी पटेल भी मानसिक रूप से अश्वस्थ बताया जा रहा है। सरस्वती की संदिग्ध अवस्था में शव मिलने के बाद पुलिस ने शक के आधार पर उसके बेटे अश्विनी पटेल को हिरासत में लिया है। पुलिस को आशंका है कि हत्या उसी ने की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

त्रिवेंद्रम-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के 2 कोच में लगी आग

बाल-बाल बची 68 यात्रियों की जान

कोटा। रविवार की सुबह कोटा त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस के दो कोच में भीषण आग लग गई। हादसा सुबह करीब 5.15 बजे कोटा मंडल के लूणी रीछा-विक्रमगढ़ आलोट (मध्य प्रदेश) स्टेशन के बीच हुआ। एक्सप्रेस के क्र-1 कोच व उसके पीछे लगे सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में लगी थी। गार्ड ने आग की सूचना लोको पायलट को दी और तुरंत ट्रेन रोकी गई और कोच में सवार सभी यात्रियों को सकुशल बाहर निकाला गया। इसके बाद आग बुझाने का काम शुरू हुआ।

ट्रेन नंबर (12431) त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस रविवार सुबह करीब 3.45 बजे मध्य प्रदेश के रतलाम जंक्शन

से रवाना हुई थी। इसका अगला स्टॉप सुबह 8.45 बजे कोटा जंक्शन था। राजस्थान में एंट्री से पहले विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के पास थर्ड एसी कोच बी-1 में आग लग गई। कुछ मिनटों बाद आगे पीछे के लगेज कोच तक पहुंच गई। कोच में 68 यात्री सवार थे। आग लगने की खबर गार्ड ने सबसे पहले लोको पायलट को दी थी। इसके बाद ट्रेन को रुकवाया गया। सभी पैसेंजर्स को बाहर निकाला गया। करीब 15 मिनट में पूरा कोच खाली कराया गया। कुछ मिनटों में ही आग पूरे कोच में फैल गई थी। हालांकि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कुछ पैसेंजर्स का सामान आग में जल गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। हादसे के बाद से दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर रेल यातायात प्रभावित हुआ। जिस कोच में आग लगी उसे ट्रेन से अलग किया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद कोच में लगी आग बुझा ली गई। पैसेंजरों को दूसरे कोच में शिफ्ट किया गया। ट्रेन को करीब साढ़े चार घंटे बाद कोटा के लिए रवाना किया गया। कोटा में ट्रेन में एक्स्ट्रा कोच लगाने के बाद वहां से ट्रेन रवाना की गई।

बिजली का कहर : बीजापुर और जीपीएम में 21 मवेशियों की मौत

ग्रामीणों ने लगाई प्रशासन से मुआवजे की गुहार

बीजापुर/जीपीएम। छत्तीसगढ़ में शनिवार को बदले मौसम के कारण आकाशीय बिजली का कहर टूटा। बीजापुर व गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 21 मवेशियों की मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में पशुपालकों में शोक और चिंता का माहौल है। पशुपालकों ने प्रशासन से उचित मुआवजा देने की गुहार लगाई है।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गौरेला क्षेत्र अंतर्गत दूरस्थ पहाड़ी ग्राम राजमेरगढ़ में आकाशीय बिजली गिरने से 11 मवेशियों की मौत हो गई। शनिवार शाम अचानक मौसम बदल गया इसी दौरान जंगल में चरने गए मवेशी वापस गांव लौट रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार तेज गर्जना के बीच अचानक आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से 11 मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृत सभी मवेशी ग्राम राजमेरगढ़ निवासी नाथूराम यादव के बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना प्रशासन को दे दी गई।

इसी प्रकार बीजापुर जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक के ग्राम पोन्दुम गांव में आकाशीय बिजली गिरने से 10 मवेशियों की मौत हो गई है। घटना शनिवार की शाम करीब साढ़े 7 बजे की बताई जा रही है। सभी मवेशी खेत और खुले स्थान में थे। इसी दौरान अचानक शाम को मौसम बदला और तेज गर्जना के साथ बिजली गिर गई। बिजली की चपेट में आने से 10 मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृत मवेशियों के मालिकों में लक्ष्मण हपका, बुधराम हपका और दशरथ बघेल के दो-दो मवेशी शामिल हैं, जबकि पिंकी बघेल, सुंदरी हपका, आसमती हपका और मन्नू हपका के एक-एक मवेशी की मौत हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सर्वे कर प्रभावित पशुपालकों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

बीजाभाठा में अवैध मुरूम उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई कलेक्टर के निर्देश पर जेसीबी समेत दो हाईवा जब्त

राजनांदगांव। जिले के डोंगरगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम बीजाभाठा में अवैध मुरूम उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक जेसीबी मशीन और दो हाईवा वाहन जब्त किए हैं। कार्रवाई के बाद जब्त वाहनों को थाना डोंगरगांव के सुपुर्द कर दिया गया है।

कलेक्टर के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम बीजाभाठा में अवैध मुरूम उत्खनन की शिकायत मिलने पर राजस्व विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के दौरान बिना अनुमति मुरूम उत्खनन किया जाना पाया गया, जिसके बाद प्रशासन ने मौके पर मौजूद मशीनरी और वाहनों को जब्त कर लिया। जिला प्रशासन का कहना है कि अवैध उत्खनन और परिवहन में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

छत्तीसगढ़ में बदला मौसम, अब फिर सताएगी भीषण गर्मी, कई जिलों में अंधड़ का अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के कई जिलों में शनिवार को मौसम ने अचानक करवट ली। तेज आंधी, गरज-चमक और झमाझम बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी, लेकिन कई इलाकों में तेज हवाओं के चलते बड़े पेड़ सड़क पर गिर गए, जिससे यातायात प्रभावित रहा। कुछ जगहों पर वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। रविवार सुबह तक कई मार्गों से पेड़ हटाने का काम जारी रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में फिलहाल बारिश और बादलों का असर बना रहेगा, हालांकि सोमवार से बस्तर संभाग को छोड़ अधिकांश क्षेत्रों में मौसम साफ होने लगेगा। इसके बाद तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है और मई के अंतिम सप्ताह में कई हिस्सों में लू जैसे हालात बनने की संभावना जताई गई है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मध्य भारत से लेकर बंगाल तक सक्रिय द्रोणिका और चक्रवाती परिसंचरण के कारण समुद्र से बड़ी मात्रा में नमी प्रदेश में पहुंची। दिन के समय तेज गर्मी और नमी के प्रभाव से स्थानीय मौसम प्रणाली विकसित हुई, जिसके चलते कई जिलों में तेज बारिश और अंधड़ देखने को मिला।इधर, मौसम विभाग ने दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति को लेकर भी सकारात्मक संकेत दिए हैं। प्रदेश के कई जिलों में रविवार को भी हल्की बारिश, गरज-चमक और वज्रपात की संभावना जताई गई है।

संपादकीय

एमएसपी पर राजनीति तो हमेशा होती है

केंद्र सरकार हर साल खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करती है। हर साल फसलों का समर्थन मूल्य कुछ न कुछ बढ़ाया जाता है। ऐसा नहीं है कि फसलों का समर्थन मूल्य केंद्र सरकार अपनी मर्जी से बढ़ा देती है। देश में हर साल फसलों का समर्थन मूल्य एक तय प्रक्रिया के मुताबिक बढ़ाया जाता है। ऐसा भी नहीं है कि यह प्रक्रिया कांग्रेस सरकार के समय कुछ थी और मोदी सरकार के समय कुछ और हो गई है। जिस तय प्रक्रिया का माध्यम से कांग्रेस के समय फसलों की एमएसपी तय होती थी, उसी तय प्रक्रिया के मुताबिक आज भी एमएसपी तय होती है। जब भी केंद्र सरकार धान का एमएसपी बढ़ाती है तो छत्तीसगढ़ में उसे लेकर राजनीति हमेशा होती रही है। छत्तीसगढ़ में सरकार भाजपा की हो या कांग्रेस की हो जब भी केंद्र सरकार एमएसपी की घोषणा करती है तो राज्य में जो विपक्ष हो या सत्ता मे हो राजनीति जरूर होती है। चुनावी राजनीति में राज्य में किसानों को बोटबैंक एक बड़ा वोट बैंक है, इसलिए सत्ता पक्ष हो या विपक्ष उनमें खुद को किसान हितैषी बताने की होड़ सी लगी रहती है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस विपक्ष में है और सरकार भाजपा की है तो केंद्र सरकार ने जैसे ही एमएसपी की घोषणा कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया आने लगी। केंद्र सरकार ने धान की समर्थन मूल्य 72 रूपए बढ़ाया है कांग्रेस अध्यक्ष ने इसे ऊंट के मुंह में जीरा कहा है तो धनेंद्र साहू ने इसे मामूली वृध्दि बताया है। इसे किसानों के साथ अन्याय कहा है। उनका कहना है कि खेती की लागत बढ़ती जा रही है। ऐसे में मामूली बढ़ोतरी किसानों के घाव पर मरहम नहीं बल्कि मजाक है।

> “ जब भी केंद्र सरकार धान का एमएसपी बढ़ाती है तो छत्तीसगढ़ में उसे लेकर राजनीति हमेशा होती रही है। छत्तीसगढ़ में सरकार भाजपा की हो या कांग्रेस की हो जब भी केंद्र सरकार एमएसपी की घोषणा करती है तो राज्य में जो विपक्ष हो या सत्ता मे हो राजनीति जरूर होती है। चुनावी राजनीति में राज्य में किसानों को बोटबैंक एक बड़ा वोट बैंक है, इसलिए सत्ता पक्ष हो या विपक्ष उनमें खुद को किसान हितैषी बताने की होड़ सी लगी रहती है।

कांग्रेस नेता धनेंद्र साहू याद कर रहे हैं और जनता को याद दिलाने का प्रयास कर रहे हैं कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो सरकार ने 2500 क्विंटल के अतिरिक्त जब जब केंद्र सरकार ने समर्थन मूल्य बढ़ाया तो तब कांग्रेस सरकार ने समर्थन मूल्य की राशि जोड़कर किसानों को भुगतान किया था। यानी वह बता रहे हैं कि उनके समय में किसानों को समर्थन मूल्य जोड़कर भुगतान किया गया था यानी 2500 से ज्यादा भुगतान किया गया था। यह सच तो है लेकिन पूरा सच नहीं है क्योंकि कांग्रेस के समय पूरे पांच साल 2500 और हर साल का समर्थन मूल्य जोड़कर भुगतान नहीं किया गया था।एक दो साल ही ऐसा किया गया था। तीन चार साल तो कांग्रेस सरकार भी यही कहती थी किसानों को सबसे ज्यादा पैसा दे रहे हैं इसलिए समर्थन मूल्य जोड़कर देने की जरूरत नहीं है।

अपने समय में तो कांग्रेस किसानों को पांच साल 2500 से ज्यादा पैसा नहीं दिया लेकिन वह अब जब केंद्र सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 72 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ा दिया है तो धनेंद्र साहू मांग कर रहे हैं कि भाजपा सरकार ने किसानों को धान का मूल्य 3100 रुपए देने की घोषणा की है तो उसे इस साल किसानों को 3100 और 72 रुपए इस साल का समर्थन मूल्य और पिछले साल का समर्थन मूल्य जोड़कर किसानों को 3358 रुपए दिया जाना चाहिए। कांग्रेस ने साय सरकार से पिछली बार भी मांग की थी कि राज्य के किसानों को 3100 मे समर्थन मूल्य जोड़कर भुगतान किया जाए। सीएम साय जानते हैं कि कांग्रेस नेता कांग्रेस को किसान हितैषी साबित करने के लिए इस बार भी ऐसी मांग करेंगे।

इसलिए सीएम साय ने केंद्र सरकार के समर्थन मूल्य की घोषणा करने के साथ ही यह साफ कर दिया था कि राज्य में किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी की जाती है। वर्तमान में सामान्य धान 2369 रुपए,ग्रेड ए 2389 की दर से खरीदा जाता है। इसके बाद अंतर की राशि किसानों को एक साथ दी जाती है।इस साल केंद्र सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 72 रुपए बढ़ाया है तो अब किसानों से सामान्य धान 2441 रुपए और ए ग्रेड धान 2461 रुपए की दर से खरीदा जाएगा। चूंकि राज्य सरकार किसानों से 3100 रुपए में धान खरीद रही है इसलिए राज्य सरकार किसानों को अंतर की राशि में 72 रुपए की कटौती करके किसानों को भुगतान करेगी। यानी किसानों को तो प्रति क्विंटल 3100 रुपए मिलेगा,अंतर की राशि किसानों को कम मिलेगी। ऐसा कांग्रेस सरकार ने कई साल किया है अब साय सरकार भी वही कर रही है। कांग्रेस के समय यह सही था तो आज भी सही माना जाएगा। जहां तक किसान हितैषी होने का सवाल है किसान जानते हैं कि कौन सही में किसान हितैषी है।

भारत के डिजिटल शासन की ओर एक बड़ा कदम

वैभव गग्गर, काम्या वहल

भारत का डिजिटल इकोसिस्टम तेजी से विकसित हुआ है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म अब लोगों के संवाद करने और जानकारी तक पहुँचते के तरीकों में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। इसने जवाबदेही और ऑनलाइन नुकसान को लेकर नई चुनौतियाँ भी पेश की हैं और मौजूदा नियामक व्यवस्था को तदनुसार विकसित होने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में किए जाने वाले प्रस्तावित बदलाव, जो 30 मार्च, 2026 को प्रकाशित किए गए हैं, भारत की डिजिटल नियामक व्यवस्था में प्रक्रिया से जुड़ी कमियों को दूर करने के लिए एक बड़े कदम को प्रतिबिंबित करते हैं। इन मसौदा संशोधनों का उद्देश्य भाग के तहत मंत्रालय द्वारा जारी स्पष्टीकरण, परामर्श और दिशा-निर्देशों के अनुरूप मध्यस्थों के अनुपालन को मजबूत करना और भाग के तहत डिजिटल मीडिया से संबंधित कंटेंट नियमन व्यवस्था की नियामक निगरानी के प्रभाव को बढ़ाना है।

सबसे पहले, नियम 3(1)(जी) और 3(1)(एच) के तहत डेटा रखरखाव की जिम्मेदारियों के संबंध में स्पष्टीकरण है। प्रस्तावित संशोधन स्पष्ट करता है कि रखरखाव आवश्यकताओं से जुड़े नियम; अन्य लागू कानूनों के तहत निर्धारित जिम्मेदारियों के अतिरिक्त हैं। इससे वह अस्पष्टता दूर होती है जिसने कभी-कभी मध्यस्थों को अलग-अलग या न्यूनतम अनुपालन दृष्टिकोण अपनाने की अनुमति दी है। आईटी अधिनियम डिजिटल प्लेटफॉर्म को अकेले काम करने की अनुमति नहीं देता। उन्हें आपराधिक प्रक्रिया कानून, वित्तीय नियम और केवल उनके उद्योग पर लागू होने वाले नियमों का भी पालन करना होता है। इस अर्थ में, यह स्पष्टीकरण अर्थपूर्ण और आवश्यक है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि संशोधन रखरखाव से संबंधित है, पहुँच से नहीं। ऐसे डेटा का खुलासा कानूनी प्रक्रियाओं और सांविधिक सुरक्षा के अधीन रहता है। हालांकि इस प्रकार की एक सामान्य संरक्षण धारा को इस रूप में पढ़ा जा सकता है कि यह उकसाने वाला, अतिव्यापी या यहाँ तक कि मध्यस्थों द्वारा उपयोगकर्ता डेटा के अनिश्चितकालीन रखरखाव के बारे में है, क्योंकि विभिन्न कानूनी दस्तावेज़ आवश्यकता, उद्देश्य की सीमा या आनुपातिकता का संदर्भ दिए बिना ही ऐसी शर्तें लागू करते हैं। ऐसी चिंताओं को दूर करने के लिए एक स्पष्टीकरण जारी किया जा सकता है, यदि भविष्य में ऐसी चिंता सामने आती है। दूसरा, प्रस्तावित नियम 3(4) को जोड़ना है, जो मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श, स्पष्टीकरण और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत दायित्वपूर्ण कर्तव्यों के रूप में बाध्यकारी बनाता है। नियमों की धारा 79 से मध्यस्थों को तीसरे पक्ष के कंटेंट की जिम्मेदारी के लिए एक सशर्त सुरक्षित ठिकाना मिल गया था, बशर्ते कि वे उचित प्रक्रिया का पालन करें और गैरकानूनी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग न लें। बड़े पैमाने पर उपयोगकर्ता-कंटेंट पर नज़र रखने से बचाने के लिए यह मध्यस्थों के लिए एक ढाल के रूप में काम करता था। सर्वोच्च न्यायालय ने श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ मामले में कहा कि सुरक्षित ठिकाना परंपरागत रूप से मध्यस्थों को तीसरे पक्ष के कंटेंट के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने से बचाता रहा है, जब तक कि वे अवैध गतिविधि के वास्तविक ज्ञान पर कार्रवाई करते हैं। इस सिद्धांत ने प्लेटफार्मों को जानकारी के प्रवाह में तटस्थ बनाए रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लेकिन तब से डिजिटल इकोसिस्टम बहुत बदल गया है। प्लेटफार्म अब केवल निष्क्रिय मध्यस्थ नहीं हैं। उनके आकार और एल्गोरिदम उपयोग करने की उनकी क्षमता ने ऑनलाइन नुकसान और लोगों को प्रभावित करने के तरीकों को बदल दिया है। इस स्थिति में, केवल न्यायालय के आदेश या औपचारिक नोटिस पर प्रतिक्रिया देने वाला मॉडल धीरे-धीरे अप्रभावी हो जाता है। नियम 3(4) शासन को अधिक लचीला बनाकर इस कमी को दूर करता है। यह कंटेंट हटाने के लिए कानूनी आदेशों की आवश्यकता को खत्म नहीं करता; इसके बजाय, यह कार्यकारी उपकरणों के माध्यम से, समग्र रूप से प्लेटफॉर्मों के कार्य करने के तरीके को निर्देशित करने का प्रयास करता है। संभावित अतिशयोक्ति के बारे में वैध चिंताएं हैं, लेकिन तथ्य यह है कि सुरक्षित ठिकाना शर्तों पर आधारित है, इसका हमेशा मतलब रहा है कि उचित कार्रवाई मानक बदल सकते हैं। चीजों को और अधिक वैध बनाने के लिए, यह समझदारी होगी कि इस प्रकार की सलाहें और एसओपी पारदर्शिता के उपायों के साथ जारी किये जाएँ, जैसे प्रकाशन, अच्छी तरह से सोचा गया कारण, और यदि संभव हो तो, हितधारकों से परामर्श।

तीसरे, संशोधन प्रस्तावित करता है कि नियम 8.1 की उपधारा को इस तरह बदल दिया जाए कि भाग के नियम 14, 15 और 16 न केवल प्रकाशकों पर लागू हों बल्कि मध्यस्थों पर और उपयोगकर्ताओं द्वारा मध्यस्थों के कंप्यूटर संसाधनों पर प्रकाशित समाचार और समसामयिक घटनाक्रम कंटेंट पर भी लागू हों, जो प्रकाशक नहीं हैं। उपयोगकर्ता और प्रकाशक के बीच का अंतर स्पष्ट नहीं है। यह डिजिटल मीडिया निरीक्षण फ्रेमवर्क के दायरे में एक महत्वपूर्ण विस्तार है, जो पहले मुख्य रूप से समाचार और संकलित कंटेंट के संगठित प्रकाशकों के प्रति केंद्रित था। संशोधन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कहीं से भी आने वाले कंटेंट के मामले में गंभीर नियम उल्लंघनों को निपटाया जा सके तथा इसके लिए ऐसे कंटेंट को नियम 14 से 16 में शामिल किया गया है। यह पारंपरिक प्रकाशकों और कार्यात्मक रूप से समान गतिविधियों में लगे डिजिटल-स्थानीय कर्मियों के बीच समानता को और बढ़ावा देता है।

इस प्रकार, संशोधन नियामक समानता को बढ़ावा देता है और वर्तमानफ्रेमवर्क में संरचनात्मक कमी को ख़त्म करता है। इसके साथ ही एक विचारशील फीडबैक बिंदु यह है कि भाग का उपयोग उपयोगकर्ता-जनित कंटेंट पर गंभीर और प्रणालीगत नुकसान तक ही सीमित रहना चाहिए। बहुत ज़्यादा सख्ती से लागू होने से बचने के लिए, जिससे वैध राजनीतिक भाषण या लोगों की खोजी पत्रकारिता पर रोक लग सकती है, मंत्रालय यह विचार कर सकता है कि नियम 14 से 16 के तहत मध्यस्थों को लक्षित हस्तक्षेप; स्पष्ट मानदंडों, जैसे पहुँच, प्रभाव और जोखिम के आधार पर किए जाएंगे तथा न्यूनतम प्रतिबंधात्मक उपायों का उपयोग किया जाएगा। यह मध्यस्थ द्वारा समर्थन (होस्ट) दिए गये कंटेंट के निरीक्षण को बेहतर बनाने के घोषित उद्देश्य के साथ-साथ एक खुली और बहुल डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्र को बनाए रखने के उद्देश्य के अनुरूप होगा।

अंत में, नियम 14 में प्रस्तावित बदलाव, जिसमें शिकायतों को बदलकर मामले किया गया है, एक प्रतिक्रियाशील से अधिक सक्रिय नियामक दृष्टिकोण की ओर परिवर्तन को दर्शाता है। अंतर-विभागीय समिति (आईडीसी) अब केवल व्यक्तिगत शिकायतों के समाधान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सरकार द्वारा संदर्भ दिए जाने पर व्यापक, प्रणालीगत मुद्दों पर भी विचार कर सकती है। एक ऐसे परिवेश में जहाँ व्यवस्थित तौर पर गलत सूचना फैलाने वाले अभियान जैसे नुकसान अक्सर व्यक्तिगत शिकायतों से आगे चली जाती हैं, यह लचीलापन समयानुकूल और आवश्यक दोनों है। साथ ही, आईडीसी के अधिकार क्षेत्र के विस्तार से प्रक्रियात्मक सुरक्षा की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। विचार किए गए मामलों की प्रकृति का समय-समय पर खुलासा, साथ ही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन, संस्थागत विश्वसनीयता को मजबूत करेगा और मनमानी हस्तक्षेप की धारणा में कमी लायेगा।

संपूर्ण रूप से देखें तो, मसौदा संशोधन भारत के मध्यस्थता दायित्व व्यवस्था को आधुनिक बनाने का एक व्यावहारिक प्रयास पेश करते हैं। वे इस बात को स्वीकार करते हैं कि स्थिर कानूनी सिद्धांत पूर्ण रूप से गतिशील तकनीकी वास्तविकताओं का समाधान नहीं कर सकते। हालांकि, चुनौती कार्यान्वयन में निहित है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि विस्तारित नियामक शक्तियों का उपयोग पारदर्शी, अनुपातिक और इंटरनेट के खुले स्वरूप को बनाए रखने वाले तरीके से किया जाए। यदि सावधानीपूर्वक उपयोग किया जाए, तो ये सुधार एक व्यावहारिक संतुलन स्थापित कर सकते हैं और नवाचार या स्वतंत्र अभिव्यक्ति को कमजोर किए बिना उत्तरदायित्व को मजबूत कर सकते हैं।

(लेखक वैभव गग्गर वरिष्ठ अधिवक्ता और काम्या वहल अधिवक्ता हैं)

गंभीर जल और पर्यावरणीय संकट की आहट

जयसिंग रावत

हिमालयी क्षेत्रों में मानव गतिविधियों के दबाव ने बर्फ संकट को बढ़ाया है। कई सीमांत क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां भूस्खलन और हिमस्खलन संवेदनशील जगहों तक पहुंची हैं।

हिम के घर के रूप में हिमालय में बर्फ की कमी गंभीर चिंता का विषय है। अध्ययनों के अनुसार हिमालय में हिमपात और बर्फ के जमाव की दर में कमी आ रही है, जिससे हैंगिंग ग्लेशियरों और हिमनदी झीलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके कारण केदारनाथ और ऋषिगंगा जैसी भयंकर आपदाओं की आशंका बढ़ रही है। साथ ही सतलुज-झेलम से लेकर ब्रह्मपुत्र तक हिमनदों पर निर्भर नदियों में जलप्रवाह में कमी की आशंका भी बढ़ गई है। इससे पूरे एशिया के मौसम में बदलाव की आशंकाएं बढ़ रही हैं।

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) की हालिया प्रकाशित वैज्ञानिक रिपोर्ट के आधार पर उत्तराखण्ड के अलकनन्दा बेसिन में बढ़ती हैंगिंग ग्लेशियरों की समस्या का स्वत: संज्ञान लिया। उक्त शोधपत्र के अनुसार उत्तराखंड के अलकनन्दा बेसिन में 219 हैंगिंग ग्लेशियरों की पहचान की गई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि और वर्षा के स्वरूप में बदलाव से इन ग्लेशियरों की स्थिरता तेजी से कम हो रही है। फलत: पर्वतीय ढलानों पर अचानक बर्फ या बर्फ-मिश्रित चट्टानों के गिरने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे विनाशकारी हिमस्खलन और बाढ़ जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। काठमाण्डू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 में हिंदू कुश-हिमालय क्षेत्र में बर्फके जमीन पर टिके रहने की अवधि सामान्य से 27.8 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। यह पिछले दो दशकों में सबसे न्यूनतम स्तर है और लगातार चौथा वर्ष है जब हिम स्तर सामान्य से नीचे रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लेशियल लेक्स की संख्या में वृद्धि के साथ नदियों के प्रवाह में भारी कमी आ सकती है।

वर्ष 2019 में प्रकाशित इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट में कहा गया था कि यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया, तो इस सदी के अंत तक हिंदू कुश-हिमालय क्षेत्र के एक-तिहाई से अधिक ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं। इसी प्रकार, वर्ष 2021 में प्रकाशित 'विश्व मौसम संगठन' की रिपोर्ट में हिमालयी क्षेत्रों में औसत तापमान वृद्धि को वैश्विक औसत से अधिक बताया गया, जो ग्लेशियरों के तेज पिघलाव का प्रमुख कारण है।

हिमालय में बढ़ते खतरों के चलते वर्ष 2021 की 7 फरवरी को चमोली जिले में ऋषिगंगा-धौलीगंगा आपदा हुई थी। इस घटना में अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। वैज्ञानिकों के अनुसार यह आपदा संभवत: एक चट्टान और ग्लेशियर के संयुक्त टूटने से उत्पन्न हुई थी। इसी तरह, वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा में अत्यधिक वर्षा, ग्लेशियर झील के फटने और भूस्खलन के संयुक्त प्रभाव से हजारों लोगों की जान चली गई थी।

दरअसल, हिमालयी क्षेत्रों में मानव गतिविधियों का बढ़ता दबाव संकट को और जटिल बना रहा है। पिछले दो दशकों में तीर्थस्थलों, पर्यटन केंद्रों और सीमा क्षेत्रों में सड़कों, भवनों तथा अन्य बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ है। वैज्ञानिकों ने पाया कि कई सीमांत क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां ऐसे स्थानों तक पहुंच गई हैं, जो भूस्खलन और हिमस्खलन के दृष्टि से अत्यधिक जोखिम वाले हैं। जब प्राकृतिक अस्थिरता और मानव दबाव एक साथ बढ़ते हैं, तो आपदाओं की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

अध्ययनों में पाया गया कि गंगा बेसिन के कई ग्लेशियर पिछले तीन दशकों में औसतन 10-30 मीटर प्रति वर्ष की दर से पीछे हट रहे हैं। इसके साथ ही ग्लेशियर झीलों की संख्या और आकार में भी वृद्धि हुई है। इन झीलों के अचानक फटने की घटनाएं विनाश का कारण बन सकती हैं।

उत्तराखंड में 2013 के बाद से कई नई झीलों की पहचान की गई है, जिनमें से कई को उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। हिमालयी बर्फ और ग्लेशियर पिघलाव से हिंदू कुश-हिमालय क्षेत्र की नदियों के कुल प्रवाह का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त होता है। यदि बर्फ की मात्रा लगातार घटती रही, तो प्रारंभिक वर्षों में बाढ़ की घटनाएं बढ़ सकती हैं, लेकिन दीर्घकाल में नदियों का जल स्तर घट सकता है, जिससे कृषि, जलविद्युत उत्पादन और पेयजल आपूर्ति पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। हिमालय में घटती बर्फ मानव अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बनती जा रही है। इससे आने वाले वर्षों में हिमालयी क्षेत्र से जुड़े विशाल भूभाग को भी गंभीर जल-पर्यावरणीय संकट का सामना करना पड़ सकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

प्रोजेक्ट और पेटेंट बन गए करिअर की नींव

डॉ. मनु मिधा

सही मायने जो छात्र अपने ज्ञान को नवाचार और व्यावहारिक उपलब्धियों के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं, वे न केवल नियोक्ताओं को बल्कि समाज को भी यह बताते हैं कि भारत का युवा केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि समाधानकर्ता और निर्माता है।

आज के प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक और व्यावसायिक परिवेश में केवल डिग्री प्राप्त करना किसी छात्र की योग्यता का पर्याप्त प्रमाण नहीं माना जाता। नियोक्ता अब ऐसे युवाओं की तलाश में हैं जो न केवल पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान से परिचित हों, बल्कि वास्तविक जीवन की जटिल समस्याओं को सुलझाने की दृष्टि व क्षमता भी रखते हों।

हाल ही में बी.टेक के कुछ प्रतिभाशाली छात्रों की एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई, जिन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ-साथ उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। एक अत्याधुनिक कृषि-तकनीक परियोजना और एक पेटेंटेड जूते का डिज़ाइन और इन्हीं उपलब्धियों ने उनके करिअर का मार्ग प्रशस्त किया। पहली उपलब्धि थी एक अनूठी कृषि-तकनीक परियोजना, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) को मशरूम की व्यावसायिक खेती के साथ जोड़ा गया। मशरूम की खेती एक अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया है, जिसमें तापमान, आर्द्रता, प्रकाश व वायु संचरण का सटीक नियंत्रण अनिवार्य होता है। यह कार्य पूरी तरह मानवीय श्रम पर निर्भर था, जिससे न केवल उत्पादन लागत बढ़ती थी, बल्कि मानवीय चूक से फसल खराब होने का जोखिम भी रहता था।

इन छात्रों ने आईओटी सेंसर्स, स्वचालित एक्चुएटर्स और एआई आधारित डेटा विश्लेषण को मिलाकर एक ऐसा स्मार्ट सिस्टम विकसित किया, जो मशरूम फार्म की पर्यावरणीय परिस्थितियों की रियल-टाइम निगरानी करता है और आवश्यकतानुसार स्वत: समायोजन करता है। इस प्रणाली की उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि इसने मशरूम उत्पादन में मैन्युअल हस्तक्षेप को पचास प्रतिशत तक कम किया। यानी आधी मेहनत, आधी लागत और दोगुनी दक्षता। परियोजना ने न केवल स्थानीय किसानों की उत्पादकता में सुधार का मार्ग दिखाया, बल्कि बताया कि आधुनिक तकनीक कृषि क्षेत्र में किस प्रकार क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।

इस प्रोजेक्ट के दौरान छात्रों ने गहन शोध किया, विशेषज्ञों से मार्गदर्शन पाया और तकनीकी बाधाओं को पार कर एक कार्यशील प्रोटोटाइप तैयार किया। परियोजना केवल एक शैक्षणिक अभ्यास नहीं थी वरन वास्तविक समस्या का वास्तविक समाधान था, जो उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप था व किसानी जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने में सक्षम था।

इसके समानांतर, इन छात्रों ने एक बिल्कुल भिन्न क्षेत्र में भी अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। उन्होंने एक विशेष जूते के तलवे का डिज़ाइन तैयार किया, जो एड़ी की समस्याओं जैसे प्लांटर फेसाइटिस, हील स्पर और दीर्घकालिक एड़ी दर्द से पीड़ित लोगों को अधिकतम आराम और राहत प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह महज एक फुटवियर उत्पाद नहीं, बल्कि स्वास्थ्य-केंद्रित इंजीनियरिंग समाधान है।

इस डिज़ाइन में बायोमेकेनिकल सिद्धांतों का उपयोग करते हुए एड़ी पर पड़ने वाले दबाव को समान रूप से वितरित किया गया है, जिससे चलने-फिरने के दौरान दर्द में खासी कमी आती है। इस डिज़ाइन की मौलिकता और व्यावसायिक संभावनाओं को देखते हुए छात्रों ने इसके लिए पेटेंट आवेदन दाखिल किया। पेटेंट प्राप्त करना किसी भी इंजीनियरिंग छात्र के लिए एक असाधारण उपलब्धि है, जो आधिकारिक प्रमाण है कि उनका विचार मौलिक, उपयोगी और संरक्षण के योग्य है। इस पेटेंट ने न केवल उनके बौद्धिक योगदान को मान्यता दी, बल्कि उनके रिज़्यूमे को एक ऐसी विशिष्टता प्रदान की, जो किसी भी परीक्षा में अर्जित अंकों से अधिक प्रभावशाली थी।

जब ये छात्र नौकरी के लिए साक्षात्कार देने पहुंचे, तो उनके रिज़्यूमे ने साक्षात्कारकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। सामान्यत: फ्रेशर्स से शैक्षणिक ज्ञान की ही अपेक्षा की जाती है, परंतु इन छात्रों के पास इससे कहीं अधिक था— एक सिद्ध परियोजना, जिसने कृषि क्षेत्र में पचास फीसदी श्रम कम किया, और एक पेटेंटेड आविष्कार जो लाखों लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित करने की क्षमता रखता था। साक्षात्कार के दौरान उन्होंने अपनी परियोजना की तकनीकी कार्यप्रणाली, विकास के दौरान आई चुनौतियों व समाधान के बारे में विस्तार से बताया।

कंपनियों के प्रतिनिधियों ने महसूस किया कि ये युवा न केवल सैद्धांतिक रूप से सक्षम हैं, बल्कि व्यावहारिक समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान ढूंढ़ने की दुर्लभ प्रतिभा भी रखते हैं। उनकी इस बहुआयामी क्षमता जो एआई और आईओटी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से लेकर उत्पाद डिज़ाइन और बौद्धिक संपदा तक फैली हुई थी, ने उन्हें हजारों अन्य उम्मीदवारों की भीड़ में स्पष्ट रूप से अलग और विशिष्ट बना दिया। परिणामस्वरूप, उन्हें प्रतिष्ठित कंपनियों से आकर्षक जॉब ऑफर प्राप्त हुए और उन्होंने एक उज्ज्वल करिअर की नींव रखी।

निस्संदेह, यह प्रेरक उदाहरण हर उस छात्र हेतु महत्वपूर्ण संदेश है जो अपने करिअर को लेकर गंभीर हैं। खासकर सीएसई, आईटी, ईसीई, मैकेनिकल और सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थी समझें कि परीक्षाओं में अच्छे अंक लाना तो आवश्यक है, किंतु यही सब कुछ नहीं है। नौकरी बाज़ार में वही छात्र आगे निकलते हैं जो अपनी पढ़ाई के साथ-साथ नवाचार, शोध और व्यावहारिक कार्यों में भी हाथ आज़माते हैं। एक सशक्त प्रोजेक्ट और एक पेटेंट केवल कागज़ की उपलब्धियां नहीं हैं — ये छात्र की चिंतन, समस्या-समाधान की क्षमता और उद्यमशीलता की भावना के जीवंत प्रमाण हैं।

(लेख इंजीनियरिंग छात्रों की वास्तविक उपलब्धियों पर आधारित है।)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

शिक्षा मंत्री ने प्रदीप कुमार के उपन्यास 'मंगल अमंगल' का किया विमोचन

डौंडीलोहारा। व्याख्याता प्रदीप कुमार मेश्राम द्वारा लिखित विज्ञान एवं आध्यात्म पर आधारित तृतीय उपन्यास मंगल अमंगल का विमोचन स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग स्थित उनके कार्यालय में किया। उपन्यास मंगल अमंगल विज्ञान, कल्पना और आध्यात्मिक चिंतन का अनूठा समन्वय प्रस्तुत करता है। इसकी कथा मानव की मानसिक एवं आत्मिक शक्तियों के संगम पर आधारित है। उपन्यास में वर्तमान समय के कुछ लोगों द्वारा समय यात्रा करते हुए ईस्वी 2526 में मंगल ग्रह पर पहुंचने की कल्पना की गई है, जहां मनुष्यों द्वारा बसाई गई बस्ती गंभीर संकट का सामना कर रही है।

अभद्रता की तो अफसरों पर कार्रवाई होगी: सचिव

भिलाई। भिलाई, दुर्ग और रिसाली नगर निगमों में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अफसरों के बीच बढ़ता टकराव अब राज्य शासन तक पहुंच गया है। जिले के तीनों बड़े निगमों में लगातार विवाद, आरोप-प्रत्यारोप और बढ़ती नाराजगी को देखते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव आर. संगीता को खुद हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सुशासन, जवाबदेही, जनसेवा और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। जनप्रतिनिधियों के साथ असम्मानजनक व्यवहार या मनमानी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गोकुल नगर डेयरी नहीं बढ़ाएगा दूध के दाम

भिलाई। पैकेज्ड दूध के दाम बढ़ाए जाने के बीच स्थानीय डेयरी संचालकों ने राहत भरी खबर दी है। दूध डेयरी संघ गोकुल नगर भिलाई ने तय किया है कि वे दूध का मूल्य नहीं बढ़ाएंगे। डेयरी संचालक पप्पू यादव ने स्पष्ट किया है कि शहर की आम जनता, बच्चों को परेशानी न हो, इसलिए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि संघ से जुड़े डेयरी संचालक होटलों व अन्य संस्थानों को जो दूध सप्लाई करते हैं, उसका रेट गाय का दूध 60 और भैंस का 80 रुपए प्रति लीटर है। इसमें भी फिलहाल वृद्धि नहीं की गई है।

गजेंद्र ने महाराजा चौक-बोरसी फोरलेन का भूमिपूजन किया

दुर्ग। शनिवार को महाराजा चौक से बोरसी बस्ती चौक तक बनने वाली फोरलेन सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन हुआ। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य रूप से मौजूद थे। उन्होंने बताया कि 452.84 लाख रुपए की लागत से इस सड़क को बनाया जा रहा है जिसका लाभ जल्द ही मिलेगा।

वट सावित्री व्रत पर सुहागिनों ने की पूजा अर्चना, अखंड सौभाग्य व पति की लंबी उम्र की कामना के साथ बांधा सूत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। वट सावित्री व्रत पर सुहागिन महिलाओं ने आज न्यू आदर्श नगर, जोन-3 मार्ग क्रमांक 8 में शुक्रवार को सुहागिन महिलाओं द्वारा वट सावित्री व्रत श्रद्धा एवं आस्था के साथ मनाया गया। महिलाओं ने वट (बरगद) वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु एवं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के दौरान महिलाओं ने बरगद के पेड़ पर जल अर्पित किया तथा रोली, अक्षत, फल एवं पूजा सामग्री चढ़ाकर परंपरागत रीति-रिवाजों का पालन किया।

इसके पश्चात महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर तने पर कच्चा सूत लपेटते हुए पूजा सम्पन्न की। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिली।

इस अवसर पर महिलाओं ने माता सावित्री एवं सत्यवान की कथा का श्रवण एवं वाचन किया। कथा के माध्यम से बताया गया कि वट सावित्री व्रत माता सावित्री के अपने पति सत्यवान के प्रति अटूट प्रेम, समर्पण और निष्ठा का प्रतीक है, जिन्होंने अपने तप, साहस और दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण वापस प्राप्त किए थे।

कार्यक्रम में सरिता ठाकुर, स्वेता बक्शी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। पूरे क्षेत्र में धार्मिक वातावरण एवं उत्साह का माहौल बना रहा।

उल्लेखनीय है कि वटसावित्री पर्व का पालन देश के कई राज्यों में पूरी श्रद्धा के साथ किया जाता है तथा इसे सुखद दांपत्य और अटूट परिवार सुख का प्रतीक माना जाता है। ट्विन सिटी में महिलाओं ने सामूहिक रूप से इस व्रत का पालन किया।

सस्ते प्लाट की चक्कर में अपनी जीवन भर की कमाई लुटा रहे लोग, रहें सावधान : रिकेश सेन

अवैध प्लाटिंग पर लगातार की जा रही कार्रवाई, भूमाफियाओं का खेल खत्म करने की कोशिश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और भूमाफियाओं की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। इसी सिलसिले में हाल ही में विधायक रिकेश सेन की मौजूदगी में कलेक्टर, निगम कमिश्नर भिलाई तथा अन्य अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक में भूमाफियाओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में अधिकारियों ने हाल ही में की गई प्रशासनिक कार्रवाई की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कई अवैध प्लाटिंग स्थलों को पहले ही ध्वस्त किया जा चुका है। शिकायतों के आधार पर आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलता रहेगा।

समीक्षा बैठक में यह बात सामने आई कि प्रशासन की कड़ी कार्रवाई के बावजूद भूमाफिया अब भी सक्रिय हैं। वे आम जनता को कम कीमत का लालच देकर बिना वैध अनुमति वाले प्लाट बेच रहे हैं। सीधे-सादे लोग उनके इस जाल में फंसकर अपनी गाढ़ी कमाई गंवा रहे हैं।

विधायक रिकेश सेन ने आम नागरिकों से विशेष अपील की है। उन्होंने कहा कि केवल सस्ती दरों के कारण किसी भी प्लाट को खरीदने का फैसला न करें। जमीन या प्लाट खरीदने से पहले टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, नगर निगम तथा अन्य संबंधित सरकारी विभागों से उसकी वैधानिक स्थिति और एअप्रूवल की जांच अवश्य करें।

विधायक ने आगाह किया कि अवैध प्लाटिंग में खरीदी गई जमीन पर भविष्य में मकान निर्माण के दौरान गंभीर परेशानियां सामने आती हैं।

ऐसे प्लाट खरीदने पर नगर निगम से मकान का नक्शा पास नहीं होता। बिजली-पानी का कनेक्शन मिलने में भारी समस्या होती है। साथ ही सड़क, नाली और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाएं कभी विकसित नहीं हो पातीं।

कानूनी और प्रशासनिक पेचीदगियों का खतरा

इन जमीनों पर हमेशा कानूनी विवाद, अवैध कब्जे की समस्या और रजिस्ट्री संबंधी अड़चनें बनी रहती हैं। प्रशासन द्वारा कभी भी तोड़फोड़ की कार्रवाई की जा सकती है।

जागरूकता ही बचाव : प्रशासन की चेतावनी

जमीन की खरीदी से पहले उसके सभी दस्तावेज़ों की पूरी जांच करने की अपील की है, ताकि भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और मानसिक प्रताड़ना से बचा जा सके।

भूमाफियाओं पर होती रहेगी कार्रवाई

वहीं प्रशासन ने भी दोटूक शब्दों में स्पष्ट कर दिया है कि अवैध प्लाटिंग करने वालों और भूमाफ़ियाओं के खिलाफ आगे भी बिना किसी रियायत के सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

महापौर अलका ने की वार्ड 11 से 20 की समस्याओं की समीक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 11 से 20 तक के विकास कार्यों एवं जनसमस्याओं की समीक्षा को लेकर महापौर अलका बाघमार ने शुक्रवार शाम डाटा सेंटर में बैठक आयोजित की। बैठक में एमआईसी सदस्य, संबंधित वार्डों के पार्षद एवं निगम अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान वार्डवार समस्याओं एवं आवश्यक विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में महापौर श्रीमती बाघमार ने वार्ड क्रमांक 11 से 20 तक के पार्षदों से बारी-बारी उनके क्षेत्रों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। पार्षदों ने साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क एवं नाली निर्माण, पाइपलाइन विस्तार, पाइपलाइन लीकेज, बोर रिपेयरिंग, सुलभ शौचालयों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था तथा नालियों की सफाई से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से रखा।

महापौर अलका बाघमार ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बिना बिल्डिंग परमिशन किसी भी नए नल कनेक्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर निजी नल कनेक्शन होने के बावजूद सार्वजनिक नल चालू हैं, जिससे अनावश्यक जल व्यय हो रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही पार्षदों द्वारा उठाई गई समस्याओं का निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

थामे रहें सेवा का दामन तो बढ़ेगी प्रतिष्ठा : नर्सेस दिवस समारोह में शामिल हुए विधायक रिकेश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। आज अधिकांश अस्पताल पूरी तरह से व्यावसायिक हो गए हैं। यही कारण है एक तरफ जहां आम नागरिकों को परेशानी हो रही है वहीं डाक्टरों पर भी लोगों का भरोसा कम होता जा रहा है। यदि अस्पताल मरीजों की सेवा को प्राथमिकता दें तो उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उक्त बातें वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने इंटरनेशनल नर्सेस डे समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। इस अवसर पर उन्होंने नर्सों का सम्मान भी किया।

विधायक रिकेश सेन हाईटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नर्सेस दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। एकाएक बदले मौसम के कारण कुछ विलंब से शुरू हुए समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने नर्सों के सम्मान में समारोह आयोजित करने पर हाईटेक अस्पताल प्रबंधन की सराह दी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमित साहू ने हाईटेक प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस सेवाभावी परिवार का अपनापन ही है जो बार-बार उन्हें रायपुर से यहां खींच लाता है।

कार्यक्रम में हाईटेक परिवार के सदस्यों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में हाईटेक के डायरेक्टर मनोज अग्रवाल, संजय अग्रवाल, मेडिकल डायरेक्टर डॉ रंजन सेनगुप्ता, डॉ नचिकेत दीक्षित, डॉ नविल शर्मा, डॉ अपूर्व वर्मा, डॉ देवेन्द्र साहू, डॉ सुमन राव, डॉ अंजना चौधरी, डॉ जेनी व्यास, डॉ प्रतीक कौशिक, डॉ सनी सिकरवार, डॉ नरेश देशमुख, डॉ नीलिमा, डॉ अर्चना लछवानी, ऑपरेशन्स हेड अमित द्विवेदी, एचआर शुभम शुक्ला, एनएस रजनी सजी, विमलेश द्विवेदी, मार्केटिंग हेड सुनील दहिया, लोकेश राठौर, रेड ड्रॉप फ्रेंड्स क्लब के सूरज साहू, सहित गणमान्य नागरिक तथा हाईटेक परिवार के सदस्य उपस्थित थे. इस अवसर पर हाइटेक की नर्सिंग स्टाफ एवं विभाग प्रमुखों का अतिथियों ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन पल्लवी अग्रवाल एवं दीपक रंजन दास ने किया।

भिलाई नगर निगम क्षेत्र में मनाया गया डेंगू दिवस स्वच्छता के नारों के साथ शहर में निकली रैली

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। निगम क्षेत्रांतर्गत राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। शासन के मंशानुरूप राष्ट्रीय डेंगू दिवस 2026 की थीम - जांच करें, साफ करें, ढकें एवं डेंगू को हराने का उपाय करें का पालन किया गया।

निगम आयुक्त के आदेशानुसार एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशों के परिपालन में जोन -1 वार्ड - कोसनगर अंतर्गत रैशने आवास श्रमिक बस्ती में एवं जोन -2 वार्ड -23 घासीदास नगर सघन बस्ती में, जोन -4 वार्ड -40 मंगल बाजार - छावनी के श्रमिक बस्ती में आम नागरिकों में जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से डेंगू रोधी नारों के साथ रैली निकालकर तथा अपने शहर में स्वच्छता अपनाते हुए डेंगू मुक्त शहर बनाने का संकल्प लिया गया।

इस कार्यक्रम में उपस्थित पार्षद, मितानिन, जन समुदाय, महिला समूह के सदस्य उपस्थित रहे । मानसून पूर्व एवं मानसून के दौरान डेंगू से बचाव ही सबसे बड़ा उपचार है। मच्छर प्रजनन स्त्रोत कूलर, टंकी, ड्रम, कंटेनर वगैरह की सप्ताह में एक दिन जांच करें, इसे साफ करें/सुखाएं तत्पश्चात ही उपयोग में लें। संग्रहित पानी पात्र को ढांक कर रखने, घर के आसपास स्थित नाली के जमाव पानी में जला ऑयल डालने, बाड़ी/बाग - बगीचों में रखे अनुपयोगी कबाड़ सामान जैसे :- टायर- ट्यूब, टूटे-फूटे बर्तन, डिस्पोजल आदि को वर्षा पूर्व हटा लें जैसी स्वास्थ्य शिक्षा दी गई।

इस सम्पूर्ण कार्यक्रम में सर्वेलेंस विशेष दस्ता से के. के. सिंह अपनी टीम के साथ, जिला मलेरिया विभाग से मोहन राव, उमेश कपूर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह, अतुल यादव, घासीदास नगर की पार्षद श्रीमती ऊषा शर्मा, विनय शर्मा, स्व सहायता समूह की सुपरवाइजर पूनम यादव, किरण शर्मा अपनी टीम के साथ सहित वार्डवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

जैन ट्रस्ट की नई प्रबंधकारिणी ने किया शपथ ग्रहण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। जैन ट्रस्ट की नई प्रबंध कार्यकारिणी समिति ने पदभार ग्रहण किया। अध्यक्ष दानमाल पोरवाल का जैन समाज रत्न के रूप में सामाजिक अभिनंदन किया गया। जैन ट्रस्ट जैन मिलन जैन महिला क्लब और त्रिवेणी जैन तीर्थ मंदिर के प्रतिनिधियों ने श्री पोरवाल का शॉल पहनाकर तिलक लगाकर श्रीफल देकर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर जैन ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष श्री मूलचंद जैन, डॉ सुधीर गांगेय का तिलक लगाकर श्रीफल अर्पण कर अभिनंदन किया गया। उपस्थित जनों ने किया। अरविंद जैन को जैन ट्रस्ट का संरक्षक चुना गया।

शपथ ग्रहण करने वालों में प्रमुख अध्यक्ष दानमल पोरवाल, कार्यकारी अध्यक्ष मूलचंद जैन उपाध्यक्ष शैलेश भाई शाह, महावीर सुराणा, प्रभात जैन, महासचिव डॉक्टर सुधीर गांगेय, कोषाध्यक्ष मुकेश जैन, प्रबंधक ट्रस्टी प्रकाश गोलछा, दिगंबर जैन मंदिर प्रबंधक ट्रस्टी प्रदीप जैन बाकलीवाल, श्वेतांबर जैन मंदिर प्रबंधक ट्रस्टी निर्मल कोचर, स्थानक भवन प्रबंधक ट्रस्टी शांतिलाल टाटिया ने शपथ ग्रहण किया।

प्रदीप जैन बाकलीवाल एवं अशोक पहाड़िया ने बताया कि आज जैन भवन में गौरवशाली उपस्थिति के मध्य महानुभावों ने कहा कि जैन समाज में भगवान महावीर स्वामी जी के अहिंसा परमो धर्म सिद्धांत और जियो और जीने दो के विश्व संदेश के साथ हम सभी आपस में प्रेम अहिंसा और भाईचारा के साथ समाज के युवा को प्रेरित किया गया।

कार्यकारी अध्यक्ष के साथ डॉक्टर सुधीर गांगेय और अशोक पहाड़िया को सभी ने शुभकामनाएं और बधाई दी। संजय चतुर ने अपना वक्तव्य दिया। इस अवसर पर महावीर बेगानी, भंवरलाल पोरवाल, बाबूलाल जैन सेठिया, हुकुमचंद ओसवाल, प्रशांत जैन, प्रकाश गोलछा, सोमेश बाकलीवाल, जिनेंद्र जैन, अनुपम जैन, वीरेंद्र जैन, विजय जैन, मुकेश बाकलीवाल, चेलना जैन, श्रीमती पुष्पा बाफना, श्रीमती पारस टाटिया, श्रीमती शकुंतला जैन, श्रीमती मधु सुराणा, श्रीमती नीना तुरकिया, नीना जैन, श्रीमती ममता जैन आदि ने पदाधिकारियों का स्वागत किया।

हेमचंद विवि के स्वयंसेवकों ने हिमाचल के साहसिक शिविर में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रो. संजय तिवारी एवं कुलसचिव डॉ. भूपेन्द्र कुलदीप के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक निरंतर सेवा, नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से स्वयंसेवक सामाजिक जागरूकता, अनुशासन एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को सशक्त करने हेतु विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभा रहे हैं।

इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने हिमाचल प्रदेश में आयोजित साहसिक शिविर में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शिविर के दौरान ट्रेकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, रिवर क्रॉसिंग, रिप्लिंग एवं अन्य साहसिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें छत्तीसगढ़ टीम के सभी स्वयंसेवकों ने अनुशासन, साहस, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का प्रेरणादायक परिचय दिया।

शिविर में कार्यक्रम अधिकारी मिथिला सिंघारे के नेतृत्व में स्वयंसेवक टिकेंद्र वर्मा, लोचन कुमार साहू, सिद्धार्थ साहू, शशांक साहू, अंकिता चेलक, दिव्या, निशा निर्मलकर एवं अनुकृति पारकर ने सहभागिता देते हुए विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। विश्वविद्यालय परिसर में सभी प्रतिभागी स्वयंसेवकों को साहसिक शिविर के प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। उपकुलसचिव डॉ. राजमणि पटेल, रासेयो कार्यक्रम समन्वयक जैनेंद्र कुमार दीवान, आदि उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

सुशासन तिहार बना किसानों की उम्मीद, मौके पर हो रहा समस्याओं का समाधान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चल रहा 'सुशासन तिहार' अब सिर्फ सरकारी अभियान नहीं, बल्कि ग्रामीणों की जिंदगी में बदलाव की नई उम्मीद बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान कर रहा है। इसका असर अब ग्रामीण इलाकों में साफ दिखाई देने लगा है। अंबिकापुर विकासखंड के ग्राम बड़ादमाली में रहने वाले किसान मंजीत दास की कहानी इसी बदलती व्यवस्था की मिसाल बन गई है। ग्राम नवापारा कला निवासी मंजीत दास लंबे समय से नई ऋण पुस्तिका नहीं मिलने की समस्या से जूझ रहे थे। ऋण पुस्तिका के अभाव में उन्हें खाद, बीज और खेती से जुड़ी दूसरी सुविधाओं का लाभ लेने में दिक्कत हो रही थी। कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी समाधान नहीं निकल पा रहा था। इसी बीच गांव में आयोजित सुशासन तिहार शिविर की जानकारी मिलने पर मंजीत दास ने अपनी समस्या दर्ज कराई। शिविर में मौजूद राजस्व विभाग के अधिकारियों ने तत्काल आवेदन पर कार्रवाई की और उन्हें नई ऋण पुस्तिका उपलब्ध करा दी। वर्षों से अटकी समस्या का समाधान हाथों-हाथ मिलने से मंजीत दास के चेहरे पर राहत और संतोष साफ नजर आया। नई ऋण पुस्तिका मिलने के बाद मंजीत दास ने खुशी जताते हुए कहा कि अब उन्हें समय पर खाद-बीज मिलने में परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब अधिकारी खुद गांव पहुंचकर समस्याएं सुन रहे हैं और तत्काल समाधान कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और प्रशासन का आभार जताया।

जनसमस्या निवारण शिविर में किसानों को मिली किसान पुस्तिका, चेहरों पर दिखी खुशी

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत प्रदेशभर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। शासन की इस पहल से ग्रामीणों को राहत मिल रही है और आमजन के चेहरे पर संतोष एवं विश्वास झलक रहा है। इसी क्रम में कोरिया जिले के ग्राम बचरा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में किसानों को किसान पुस्तिका प्रदान कर उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान किया गया। शिविर के दौरान ग्राम गेजी निवासी ललितपाल एवं चंद्रपाल तथा ग्राम बचरा निवासी विजय सिंह को किसान पुस्तिका वितरित की गई। मंच से नाम पुकारे जाने पर किसानों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। किसान पुस्तिका प्राप्त करने के बाद श्री ललितपाल, चंद्रपाल एवं विजय सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें किसान किताब मिलने की उम्मीद तो थी, लेकिन जब मंच से उनका नाम पुकारा गया तो एक पल के लिए उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। दोबारा नाम और गांव पुकारे जाने पर उन्हें भरोसा हुआ कि उनकी समस्या का समाधान हो चुका है। किसानों ने मुख्यमंत्री साय सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन आम लोगों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल ग्रामीणों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है और इससे शासन के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत हुआ है।

विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को मिली नई गति

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायगढ़ को दी 102 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री ने कहा- जनता का विश्वास ही सरकार की सबसे बड़ी ताकत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायगढ़ जिले के कुसमुरा में आयोजित सभा में जिलेवासियों को 102 करोड़ 93 लाख 24 हजार रुपए के विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के कुल 24 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 33 करोड़ 98 लाख 47 हजार रुपए लागत के 13 कार्यों का लोकार्पण तथा 68 करोड़ 94 लाख 77 हजार रुपए लागत के 11 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है और अब जनता स्वयं परिवर्तन और विकास को महसूस कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रायगढ़ से उनका आत्मीय रिश्ता वर्षों पुराना है और यहां की जनता ने उन्हें हमेशा परिवार के सदस्य की तरह स्नेह दिया है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास, संवाद और समाधान का सशक्त माध्यम बन चुका है।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि 1 मई से 10 जून तक आयोजित सुशासन तिहार के माध्यम से प्रदेशभर में आम नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए चलाए गए विशेष अभियान से हजारों लोगों को राहत मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीब परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है तथा 13 लाख किसानों को 3716 करोड़ रुपए का बकाया बोनस दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है और सरकार अंत्योदय की भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री साय ने प्रशासनिक पारदर्शिता और डिजिटल गवर्नेंस को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि आगामी समय में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रारंभ की जाएगी, जिससे आम नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे और समय-सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों की मांगों पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने ग्राम सूपा, घुघुवा, पुटकापुरी, तारापुर, उसरौट और काशीचुआं को जोड़ने वाली सड़क निर्माण कार्य को पूर्ण कराने की घोषणा की। इसके साथ ही कुसमुरा में महतारी सदन निर्माण, धनागर सोसायटी के अंतर्गत खाद्य भंडारण हेतु गोदाम निर्माण तथा उप स्वास्थ्य केंद्र के उन्नयन की दिशा में आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार समय-सीमा में विकास कार्यों को पूर्ण कर जनता को उसका लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लगभग 5 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले कुसमुरा कॉलेज भवन निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिलेंगी।

कार्यक्रम में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और विकास का नया दौर प्रारंभ हुआ है। सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीब परिवारों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार गठन के तुरंत बाद किसानों को 3716 करोड़ रुपए का बकाया बोनस दिया गया तथा आज प्रदेश में 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, नारी शक्ति ऋण योजना और भूमिहीन मजदूर साथी योजना जैसी योजनाओं से आम नागरिकों को सीधा लाभ मिल रहा है। लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में सुशासन तिहार उत्साहपूर्वक आयोजित किया जा रहा है और सरकार जनता के बीच पहुंचकर विकास कार्यों को नई गति दे रही है। राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह, नगर निगम रायगढ़ के महापौर जीवर्धन चौहान सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

लखपति दीदी मंजू की संघर्षगाथा बनी आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल

लखपति दीदी योजना से मिली नई उड़ान, छोटे व्यवसाय से बढ़ा आत्मविश्वास और आजीविका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कोरबा जिले के लेमरू प्रवास के दौरान आत्मीयता, संघर्ष और आत्मनिर्भरता की एक प्रेरणादायक तस्वीर देखने को मिली। मुख्यमंत्री साय ने यहां ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी लखपति दीदी श्रीमती मंजू द्वारा संचालित छोटे से स्टॉल पर पहुंचकर उनके हाथों से बने चटपटे गुपचुप का स्वाद लिया और आत्मीय संवाद किया।

बातचीत के दौरान श्रीमती मंजू ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने छोटे स्तर से अपने व्यवसाय की शुरुआत की थी। गुपचुप स्टॉल से होने वाली बचत और लगातार मेहनत के बल पर आज वे भवन निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली 'सेंटरिंग प्लेट' के व्यवसाय से भी जुड़ गई हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद अपने हौसले, परिश्रम और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। मुख्यमंत्री साय ने मंजू बहन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना आज महिलाओं के आत्मविश्वास, सम्मान और आर्थिक मजबूती का मजबूत आधार बन रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने मंजू को लखपति दीदी योजना के अंतर्गत 30 हजार रुपये का प्रोत्साहन चेक भी प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मेहनत को अवसर और हौसले को सहारा मिलता है, तब बदलाव केवल एक व्यक्ति के जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे गांव और समाज में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता है।

राज्यपाल डेका ने किया पौधरोपण

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कबीरधाम प्रवास के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर कवर्धा में आम का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधरोपण करने और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अपील की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने भी पौधरोपण किया। राज्यपाल डेका ने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल वर्तमान के लिए ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण देने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

किसान क्रेडिट कार्ड से बदलेगी मौसम दास की खेती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चल रहा सुशासन तिहार अब ग्रामीण किसानों के लिए राहत और भरोसे का बड़ा माध्यम बनता जा रहा है। गांव-गांव आयोजित हो रहे जनसमस्या निवारण शिविरों में न सिर्फ लोगों की शिकायतों का समाधान हो रहा है, बल्कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी मौके पर ही मिल रहा है। अंबिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पम्पापुर निवासी किसान मौसम दास की कहानी इसी बदलते प्रशासनिक तंत्र की तस्वीर पेश करती है।

मौसम दास बताते हैं कि उनके पिता अमरदास लंबे समय से खेती-किसानी से जुड़े हुए हैं। परिवार को हर सीजन में निजी दुकानों से महंगे दाम पर खाद खरीदना पड़ता था। खुले बाजार में खाद और कृषि सामग्री की कीमत ज्यादा होने से खेती की लागत लगातार बढ़ रही थी। इसका सीधा असर उत्पादन और परिवार की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा था। खेती के लिए जरूरी संसाधन समय पर नहीं मिलने से उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। ऐसे में किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा उनके लिए बड़ी जरूरत बन चुकी थी।

सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में मौसम दास ने सहकारी समिति और खाद विभाग के माध्यम से आवेदन किया। प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनका किसान क्रेडिट कार्ड बन गया। कार्ड मिलने के बाद मौसम दास और उनके परिवार में नई उम्मीद जगी है। उन्होंने बताया कि अब उन्हें सहकारी समिति के माध्यम से समय पर खाद और कृषि सामग्री उपलब्ध हो सकेगी। इससे खेती की लागत कम होगी और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। उनका मानना है कि पहले संसाधनों की कमी के कारण खेती पूरी क्षमता से नहीं हो पा रही थी, लेकिन अब हालात बेहतर होंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में चल रहे सुशासन तिहार का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे ग्रामीणों तक पहुंचाना है।

सुशासन तिहार बना दिव्यांगजनों के लिए नई उम्मीद की किरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार अब केवल प्रशासनिक शिविर नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार की जन कल्याणकारी सोच और संवेदनशील कार्यशैली का असर अब गांव-गांव तक दिखाई दे रहा है। इसी कड़ी में पेंड्रा-गौरेला-मरवाही जिले के मरवाही विकासखण्ड के ग्राम पंचायत उषाड़ में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर दिव्यांगजनों के लिए राहत और आत्मविश्वास लेकर आया। शिविर में समाज कल्याण विभाग की सहायक उपकरण प्रदाय योजना के तहत छह दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण वितरित किए गए। वर्षों से दैनिक जीवन की कठिनाइयों से जूझ रहे हितग्राहियों को जब व्हील चेयर, श्रवण यंत्र और छड़ी उपलब्ध कराई गई तो उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी।

ग्राम पंचायत कटरा निवासी 80 प्रतिशत अस्थि बाधित स्वरूप सिंह पोर्ते को व्हील चेयर प्रदान की गई। व्हील चेयर मिलने के बाद उन्होंने कहा कि अब उन्हें आने-जाने और दैनिक कार्यों में काफी सुविधा होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की इस मदद से उनका जीवन पहले की अपेक्षा आसान हो जाएगा। इसी प्रकार ग्राम उषाड़ की मंगली बाई एवं बेलझिरिया निवासी अकलू राम को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। लंबे समय से सुनने में परेशानी के कारण उन्हें सामान्य बातचीत करने और सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने में कठिनाई होती थी, लेकिन अब उन्हें नई उम्मीद मिली है। वहीं उषाड़ की बैसाखिया बाई तथा बेलझिरिया के श्याम सुंदर और श्रीराम को सहारे के लिए छड़ी प्रदान की गई, जिससे उन्हें चलने-फिरने में सुविधा मिलेगी। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ सीधे गांवों तक पहुंच रहा है।

गांव की चौपाल में दिखी मुख्यमंत्री की सादगी और संवेदनशीलता

पीपल के पेड़ तले खाट पर बैठकर ग्रामीणों से किया सीधा संवादः समस्याएं सुनीं और मौके पर दिए समाधान के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम कोसला का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री श्री साय के गांव पहुंचते ही पूरे क्षेत्र में उत्साह का वातावरण बन गया। मुख्यमंत्री साय का बेहद सहज, आत्मीय और सादगीपूर्ण स्वरूप उस समय देखने को मिला, जब वे बिना किसी औपचारिकता के गांव के पीपल पेड़ की छांव तले आयोजित चौपाल में ग्रामीणों के बीच खाट पर बैठकर उनसे सीधे संवाद करने लगे। यह दृश्य ग्रामीणों के लिए यादगार बन गया और चौपाल आत्मीय संवाद तथा संवेदनशील शासन की मिसाल बन गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने चौपाल में ग्रामीणों, महिलाओं और किसानों से सीधे चर्चा करते हुए शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार महिलाओं, किसानों, गरीबों और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य कर रही है।

ग्रामीणों से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पूछा, पटवारी नियमित रूप से गांव आते हैं या नहीं? ग्रामीणों द्वारा सकारात्मक जवाब दिए जाने पर मुख्यमंत्री ने गांव के पटवारी श्री शत्रुघन कुर्रे को निर्देशित किया कि ग्रामीणों और किसानों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

चौपाल के दौरान ग्राम कोसला की श्रीमती सावित्री कश्यप ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने नियमित रूप से सहायता राशि प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना से परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतें पूरी करने में काफी मदद मिल रही है और आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं से आत्मीय चर्चा करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक संबल बन रही है।

इसी दौरान ग्राम की लखपति दीदी नीमा तिवारी ने मुख्यमंत्री को बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें शुरुआत में 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली। इसके बाद उन्होंने आटा चक्की का व्यवसाय शुरू किया और आज उनके पास पांच आटा चक्कियां संचालित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने उनकी सफलता की सराहना करते हुए कहा कि वे गांव की अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूहों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें।

मुख्यमंत्री ने गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि विगत ढाई वर्षों में ग्राम कोसला में 474 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवास प्लस सर्वेक्षण के माध्यम से छूटे हुए सभी पात्र हितग्राहियों को भी योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद सबसे पहले 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई थी और अब हजारों परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों की मांगों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। महिलाओं की सुविधा और सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए उन्होंने ग्राम कोसला में महतारी सदन निर्माण की घोषणा की।

साथ ही क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं की आवश्यकता को देखते हुए हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री की इन घोषणाओं से ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और विद्यार्थियों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

अभिनेत्री लॉरेन गॉटलिब ने मशहूर इंटरनेशनल डांस शो को कहा अलविदा, लिखा- एक युग का अंत

अमेरिकी मूल का मशहूर अंतरराष्ट्रीय डांस रियलिटी शो सो यू थिंक यू कैन डांस अपने 18 सीजन के बाद आधिकारिक तौर पर बंद होने जा रहा है। मंगलवार को अभिनेत्री लॉरेन गॉटलिब ने शो के खत्म होने का दुख जाहिर करते हुए एक पोस्ट शेयर की। दरअसल, अभिनेत्री लॉरेन ने सो यू थिंक यू कैन डांस सीजन 3 से प्रसिद्धि हासिल की थी, जिस वजह से यह शो उनके बेहद करीब है।

अभिनेत्री ने शो के दौरान का पुराना वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। अभिनेत्री ने शो के बंद होने को एक दौर का अंत बताया। उन्होंने लिखा, सो यू थिंक यू कैन डांस 18 सीजन के बाद खत्म हो गया है। साल 2007 में मैं शो में गई थी। उस समय मैं महज 18 साल की लड़की थी और एरिजोना से उस शो में डांस के लिए गई थी। तब मैंने सोचा भी नहीं था कि यह शो मेरी जिंदगी पूरी तरह से बदल देगा। मैं बस अपने सीजन का हिस्सा होने के बाद कई बार ऑल-स्टार सीजन्स में वापस आती रही थी। इतने सालों में यह शो मेरे लिए दूसरे घर जैसा था।

अभिनेत्री ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि यह शो उनके करियर को इतनी बड़ी दिशा देगा। उन्होंने लिखा, यह शो उस समय पूरी दुनिया में देखा जाता था, जिस वजह से रेमो डिसूजा ने मुझे देखा और अपनी फिल्म एबीसीडी के लिए चुना और बस डांस की वजह से मेरी एक ग्लोबल यात्रा शुरू हो गई।

उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए लिखा, 19 साल बाद ऐसे पल आते हैं, जो दिल को छू लेते हैं। दो दिन पहले ही एक फ्लाइट अटेंडेंट ने मुझे रोककर कहा था कि सो यू थिंक यू कैन डांस के समय मैं उन्हें बहुत पसंद थी। डांस भाषा, सरहदों और हर उस दीवार से ऊपर होता है जो हमें अलग करने की कोशिश करती है। डांस सीधे दिल तक पहुंचता है और यही काम इस शो ने दुनिया भर के लाखों लोगों के साथ किया।

उन्होंने शो से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, कास्ट, क्रू, कोरियोग्राफर्स, जजेस, हमारे माता-पिता और सभी फैंस, आप सभी का शुक्रिया। उन यादों और उन पलों के लिए धन्यवाद, जिन्होंने हमारी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी।

10 रुपये का निवेश करके आज करोड़ों पीट रही 'बालिका वधू' फेम ये अदाकारा

कैसे आया आइडिया? खुद किया खुलासा

चर्चित सीरियल 'बालिका वधू' में गहना का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री नेहा मर्दा अब सफल बिजनेस वुमन हैं। दिलचस्प बात यह है कि जिस बिजनेस से वे करोड़ों रुपये कमा रही हैं, उसकी नींव सिर्फ दस रुपये के निवेश से रखी थी।

महंगाई के इस दौर में दस रुपये की कीमत शायद बहुत से लोग नहीं समझते होंगे। मगर, सूझबूझ से काम लिया जाए तो दस रुपये भी इंसान की तिजोरी भर सकते हैं। अभिनेत्री नेहा मर्दा ने इसकी मिसाल पेश की है। नेहा ने 'बालिका वधू' में गहना के रूप में अच्छी छाप छोड़ी थी। अब वे बिजनेस की दुनिया में हैं। उन्होंने अपना एक ब्यूटी प्रोडक्ट लॉन्च किया, जो फिटकरी से बना है। इसका आइडिया कैसे आया? इसकी कहानी भी कम दिलचस्प नहीं। जानिए

क्या है नेहा मर्दा का बिजनेस? कैसे आया आइडिया?

नेहा मर्दा एक ब्यूटी प्रोडक्ट कंपनी चला रही हैं। उनकी कंपनी का यह प्रोडक्ट फिटकरी से बना है। दरअसल, यह फिटकरी का अंडरआर्म रोल-ऑन है। नेहा मर्दा को बिजनेस का विचार अपनी ही एक समस्या के चलते आया। दरअसल, प्रेग्नेंसी के बाद उनके शरीर में कुछ बदलाव हुए। इसी दौरान उन्हें महसूस हुआ कि शरीर से एक अजीब दुर्गंध आने लगी है।

बाजार के प्रोडक्ट से नहीं मिली मदद

नेहा ने उपाय के लिए बाजार में मौजूद तमाम ऑर्गेनिक प्रोडक्ट अपनाए, लेकिन खास मदद नहीं मिली। फिर वे डियोडोरेंट इस्तेमाल करती रहीं। नेहा का कहना है कि यह बहुत ही परेशान करने वाली बात है, मगर इस पर लोग खुलकर बात नहीं करते।

लगातार बढ़ रहा है कारवां

नेहा ने अपनी कंपनी खोली। बिजनेस ने शुरू होते ही रफ्तार पकड़ ली और महज दो महीने में दो लाख से ज्यादा ग्राहक जुटा लिए। नेहा मर्दा की कंपनी की आमदनी हर महीने दो करोड़ रुपये से ज्यादा है। बिजनेस का निरंतर विस्तार हो रहा है।

शार्क टैंक में रखा था आइडिया

बता दें कि नेहा मर्दा ने शार्क टैंक इंडिया में अपने इस अनोखे बिजनेस आइडिया की पिच रखी थी। आइडिया साझा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद उन्होंने अपनी बॉडी से एक अजीब सी दुर्गंध महसूस की थी। नेहा की पिच सुनने के बाद शार्क अमन और अनुपम मित्तल ने उन्हें एक परसेंट इक्विटी पर 1.8 करोड़ की डील ऑफर की, जो उन्होंने खुशी-खुशी स्वीकार भी की। ब्यूटी प्रोडक्ट की बिक्री के साथ-साथ इस उत्पाद के इंस्टाग्राम पेज पर भी 24 मिलियन से ज्यादा ऑर्गेनिक व्यूज आते हैं।

मोहनलाल की दृश्यम 3 ने एडवांस बुकिंग में उड़ा दिया गर्दा, रिलीज से पहले छाप डाले करोड़ों

जीतू जोसेफ द्वारा निर्देशित और मोहनलाल स्टारर फिल्म दृश्यम 3 को सिनेमाघरों में रिलीज से पहले ही जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। मच अवेटेड मलयालम क्राइम थ्रिलर ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एडवांस बुकिंग में कमाल कर दिखाया है। जानते हैं दृश्यम 3 ने प्री टिकट सेल में वर्ल्डवाइड कितना कलेक्शन कर लिया है?

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की वर्ल्डवाइड एडवांस बुकिंग 10 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है और लगातार बढ़ रही है। एक्स पर की गई पोस्ट में लिखा है, दृश्यम 3 की वर्ल्डवाइड प्री-सेल्स 10 करोड़ रुपये से ज्यादा और बढ़ती जा रही है। पिछले हफ्ते का कथिक्कल आज से शुरू हो रहा है। अगर मौजूदा ट्रेंड जारी रहता है, तो हाल के सालों में दृश्यम 3 किसी मलयालम फिल्म के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज कर सकती है।

मोहनलाल की अपकमिंग फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे सराही गई थ्रिलर फ्रेंचाइजी दृश्यम में से एक की तीसरी कड़ी है। ये कहानी दृश्यम और दृश्यम 2 की घटनाओं के बाद जॉर्जकुट्टी और उसके परिवार के सफर को आगे बढ़ाती है। मोहनलाल के साथ फिल्म में मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल, सिद्दीकी, आशा शरथ, मुरली गोपी और वीना नंदकुमार शामिल हैं।

फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में एक बिहाइंड-द-सीन वीडियो जारी किया था, जिसमें इस थ्रिलर के निर्माण की झलक मिलती है। मोहनलाल ने इस क्लिप को एक्स पर साझा करते हुए लिखा था, दृश्यम 3 बिहाइंड द सीन्स, दुनिया भर में रिलीज, 21 मई 2026।

हिंदी दृश्यम 3 के मेकर्स कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक है। इस फिल्म में अजय देवगन ने लीड रोल प्ले किया है। एएनआई से बात करते हुए कुमार मंगत पाठक ने कहा, लॉकडाउन शुरू होने पर हमने बहुत सारी मलयालम फिल्में देखीं। हमें एहसास हुआ कि वहां का कंटेंट बहुत अच्छा है। वहां अलग-अलग तरह की फिल्में बन रही हैं और उनकी सराहना हो रही है। अभिषेक पाठक ने हिंदी वर्जन की रिलीज डेट भी कंफर्म की है। उन्होंने कहा, 'दृश्यम 3' 2 अक्टूबर को रिलीज होगी।

पानी में चमकीं नोरा फतेही, गोल्डन ड्रेस पहन दिखाया ग्लैमरस अंदाज फोटोज वायरल

एक्ट्रेस नोरा फतेही ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कई दिलकश तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में वो ऑल गोल्डन आउटफिट में नजर आ रही हैं। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है।

नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर अपने लेटेस्ट पोस्ट से सबका ध्यान खींच किया है। उनका ये लुक सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। एक्ट्रेस फोटोज से सोनपरी से कम नहीं लग रही हैं। नोरा सोने से जड़े आउटफिट में नजर आ रही हैं। फैंस नोरा का ये लुक देख फैंस उनसे नजरे नहीं हटा पा रहे हैं।

उन्होंने अपने इस लुक को सटल मेकअप और खुले बालों के साथ पूरा किया है। नोरा ने पानी में जमकर कातीलाना पोज दिए हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए नोरा ने लिखा, इस लुक के हम दीवाने हो गए हैं। बता दें, नोरा का ये लुक नए म्यूजिक वीडियो बेबी डॉल का है। जिसे हनी सिंह ने बनाया है. वहीं, नोरा फतेही पिछले कुछ दिन पहले कन्नड़ फिल्म केडी: द डेविल के गाने सरके चुनर को लेकर हुए विवाद में फंसी थीं।

अपने कुत्ते को घर के अंदर खुश रखने के लिए आजमाएं ये 5 आसान तरीके

कुत्ते हमारे सबसे अच्छे दोस्त होते हैं और उन्हें खुश रखना हर मालिक की प्राथमिकता होती है। खासकर जब कुत्ते घर के अंदर ही रहते हैं तो उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखना जरूरी हो जाता है। इस लेख में हम कुछ आसान और प्रभावी तरीकों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप अपने कुत्ते को घर के अंदर खुश और स्वस्थ रख सकते हैं। इन तरीकों से आपका कुत्ता सक्रिय रहेगा और उसका मनोबल भी ऊंचा रहेगा।

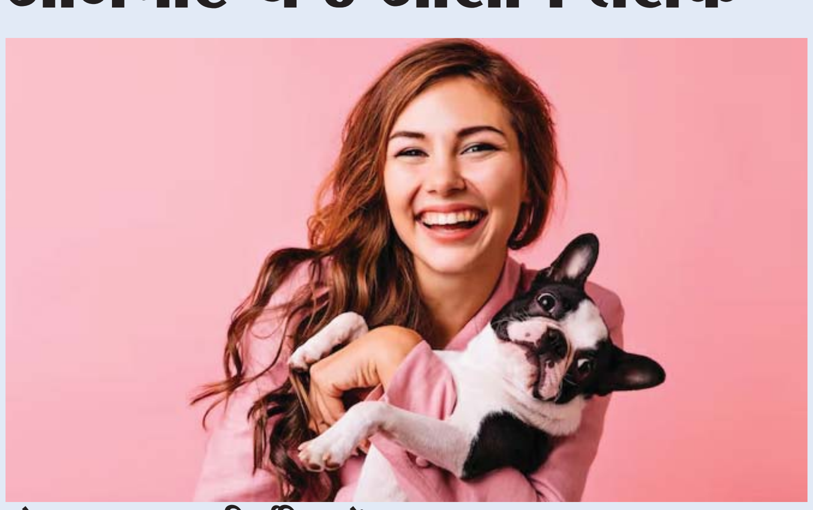

खेल-कूद का समय निर्धारित करें

अपने कुत्ते के लिए रोजाना खेल-कूद का समय तय करें। यह न केवल उसके शरीर के लिए अच्छा है बल्कि दिमाग को भी सक्रिय रखता है। आप उसके साथ गेंद खेल सकते हैं, उसे दौड़ा सकते हैं या फिर उसके साथ कोई और खेल खेल सकते हैं। इससे उसका ऊर्जा स्तर बना रहेगा और वह खुश रहेगा। इसके अलावा आप उसके साथ कुछ नई गतिविधियां भी आजमा सकते हैं, जैसे कि बाधा कोर्स या पहेली खेल।

सीखने का समय निर्धारित करें

अपने कुत्ते को नई चीजें सिखाना उसके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। आप उसे बैठना, लेटना, घुमना आदि आदेश सिखा सकते हैं। इसके अलावा आप उसे कुछ खास कलाएं भी सिखा सकते हैं जैसे कि गोल-गोल घूमना। यह न केवल उसके दिमाग को सक्रिय रखता है बल्कि उसे आपकी बात मानने की आदत भी डालता है। नियमित सीखने का समय उसके आत्मविश्वास को बढ़ाता है और उसे अधिक अनुशासित बनाता है।

मानसिक चुनौतियां दें

अपने कुत्ते को मानसिक चुनौतियां देना बहुत जरूरी है ताकि वह बोर न हो और उसका मनोबल ऊंचा बना रहे। आप उसे पहेली खिलौने दे सकते हैं जिनमें उसे खाने के लिए छिपे हुए टुकड़े ढूंढने होते हैं या फिर बाधा कोर्स में दौड़ा सकते हैं। इसके अलावा आप उसे अलग-अलग सुगंध पहचानने का खेल भी सिखा सकते हैं जिससे उसकी मानसिक क्षमता बढ़ती है। इन गतिविधियों से उसका ध्यान केंद्रित रहता है और वह खुश रहता है।

सही खाना दें

कुत्ते का खाना भी उसकी खुशी में अहम भूमिका निभाता है। उसे संतुलित खाना देना बहुत जरूरी है जिसमें प्रोटीन, विटामिन्स और खनिज शामिल हों। इसके अलावा पानी की पर्याप्त मात्रा देना भी जरूरी है ताकि वह हाइड्रेटेड रहे। कभी-कभी उसे विशेष खाने की चीजें भी दें जैसे कि सब्जियां या फल, जो उसके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हों। समय-समय पर पशु चिकित्सक से उसकी सेहत की जांच करवाते रहें ताकि किसी प्रकार की समस्या समय रहते पता चल सके।

आरामदायक जगह बनाएं

अपने कुत्ते के लिए आरामदायक जगह बनाना बहुत जरूरी है जहां वह आराम से बैठ सके या सो सके। यह जगह शांत होनी चाहिए ताकि वह बिना किसी विघ्न के आराम कर सके। वहां उसकी पसंदीदा खिलौने रखें ताकि वह जब चाहे खेल सके। इन सरल तरीकों से आप अपने प्यारे दोस्त को घर पर ही खुश और स्वस्थ रख सकते हैं। याद रखें, आपका कुत्ता आपका सबसे अच्छा दोस्त है, उसकी देखभाल करना आपका कर्तव्य बनता है।

'क्या मुझे पागल कुत्ते ने काटा है?

'सीक्रेट डायरेक्टिंग' की अफवाहों पर आमिर ने तोड़ी चुप्पी

आमिर खान को बॉलीवुड का 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है। फिल्मों में उनकी गहरी दिलचस्पी और हर छोटी-बड़ी चीज पर ध्यान देने की आदत की वजह से अक्सर ऐसी अफवाहें उड़ती रही हैं कि वह अपनी फिल्मों को पर्दे के पीछे से खुद डायरेक्ट करते हैं। लेकिन अब आमिर खान ने इन सभी खबरों पर खुलकर जवाब दिया है।

'घोस्ट डायरेक्टिंग' पर क्या बोले एक्टर?

हाल ही में स्क्रीन एकेडमी इवेंट के दौरान आमिर खान ने साफ कहा कि अपने 38 साल के करियर में उन्होंने सिर्फ एक ही फिल्म डायरेक्ट की है और वह 'तारे जमीन पर' है। बाकी फिल्मों को लेकर जो 'घोस्ट डायरेक्टिंग' की बातें होती हैं, वह पूरी तरह गलत हैं।

क्या मुझे पागल कुत्ते ने काटा है?

आमिर ने कहा, 'मीडिया ने हमेशा कहा कि मैं फिल्मों को पर्दे के पीछे से डायरेक्ट करता हूं। लेकिन ऐसा क्यों करूंगा मैं? अगर मैं

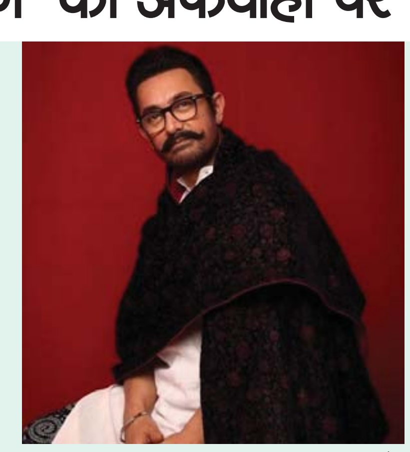

इतना अच्छा काम कर रहा हूं तो किसी और का नाम क्यों दूंगा? क्या मुझे पागल कुत्ते ने काटा है?'

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अपने करियर में कई शानदार डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। आमिर का मानना है कि हर निर्देशक अपनी अलग सोच और स्टाइल लेकर आता है और यही वजह है कि उनकी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग दिखाई देती हैं। आमिर ने उदाहरण देते हुए कहा कि 'लगान', 'रंग दे बसंती', 'सरफरोश' और '3 इडियट्स' जैसी फिल्मों का अंदाज और कहानी अलग-अलग है, क्योंकि हर फिल्म के पीछे अलग निर्देशक की सोच थी।

फिल्मों की सफलता पूरी टीम की मेहनत होती है

उन्होंने यह भी कहा कि फिल्मों की सफलता सिर्फ एक इंसान की नहीं होती, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा होती है। आमिर ने बताया कि उन्होंने 'तलाश', 'रंग दे बसंती' या 'तारे जमीन पर' की कहानी नहीं लिखी थी। उन्हें बस ये कहानियां पसंद आईं और वह उनका हिस्सा बनना चाहते थे।

आमिर खान का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान आखिरी बार 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे। आने वाले समय में वह राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' के सीक्वल में दिखाई दे सकते हैं।

खास खबर

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली हिरमन बाई के परिवार की जिंदगी

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) प्रदेश के जरूरतमंद परिवारों के लिए नई उम्मीद और खुशियों का माध्यम बन रही है। योजना के तहत लगातार पूर्ण हो रहे आवास गरीब एवं वंचित परिवारों को सुरक्षित और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान कर रहे हैं। इसी कड़ी में कोरिया जिले के वनांचल क्षेत्र सोनहत जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम रजौली निवासी हितग्राही हिरमन बाई का परिवार अब अपने पक्के घर में खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलने से पहले हिरमन बाई का परिवार वर्षों से कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों के बीच जीवनयापन कर रहा था। बारिश के दिनों में घर टपकता था, गर्मी और ठंड में भी परिवार को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सुरक्षित आवास का सपना उनके लिए दूर की बात थी। बीते वर्ष हिरमन बाई को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास स्वीकृत हुआ। शासन की पारदर्शी डीबीटी प्रक्रिया के माध्यम से अनुदान राशि सीधे उनके बैंक खाते में पहुंची। आर्थिक सहायता प्राप्त होने के बाद उन्होंने अपने सपनों के पक्के मकान का निर्माण कार्य शुरू किया, जो अब पूर्ण हो चुका है। आज हिरमन बाई का परिवार नए पक्के घर में सुरक्षित, सम्मानजनक और सुखद जीवन जी रहा है। अब उन्हें मौसम की मार की चिंता नहीं सताती। बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिला है और पूरे परिवार में आत्मविश्वास एवं खुशहाली का माहौल है।

तेजस कार्यशाला संपन्न, युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने किया आह्वान

महासमुंद। जिले में युवाओं को उद्यमिता एवं नवाचार के लिए प्रेरित करने स्टार्टअप इंडिया एवं डीपीआईआईटी के अंतर्गत आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विगत दिवस होटल एकासिया इन में किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा शामिल हुए। इस अवसर पर जिले के युवा उद्यमियों, छात्र-छात्राओं एवं स्टार्टअप में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि योगेश्वर राजू सिन्हा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में नवाचार और स्टार्टअप आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव हैं। उन्होंने युवाओं से अपने विचारों को व्यवसायिक रूप देने तथा रोजगार सृजन की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं युवाओं को नई सोच और नए अवसर प्रदान करती हैं। अन्य अतिथियों ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि ञ्अश्वछ्व्स जैसी पहल से जिले में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा, युवाओं में नवाचार की भावना विकसित होगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। वहीं उद्योग संचालनालय से अमेय त्रिपाठी, उप संचालक एवं महाप्रबंधक मोहन लाल साहू ने शासन की औद्योगिक एवं स्टार्टअप योजनाओं की जानकारी दी।

शिविर में आवेदनों का हो रहा त्वरित निराकरण: खाद्य मंत्री बघेल

हितग्राहियों को सौंपे स्वामित्व पट्टा, ट्राइसाइकिल, सुपोषण टोकरी, शिविर में उमड़ी भीड़

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत आज महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखंड के ग्राम पंचायत मुढ़ीपार में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल शामिल हुए।

शिविर में खाद्य मंत्री बघेल एवं अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। इस दौरान मंत्री श्री बघेल ने विभागों को प्राप्त आवेदनों के निराकरण की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविर में प्राप्त शिकायतों एवं मांगों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए तथा लंबित मामलों का समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। शिविर में महासमुंद जिले के 18 ग्रामों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक शिविर में पहुंचकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा विभिन्न विभागों के स्टॉलों में अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य शासन आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है तथा किसानों को समय पर खाद का उठाव करने की सलाह दी गई। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

मंत्री श्री बघेल ने आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं पर भी विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को नियमित औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों एवं महिलाओं को मिलने वाले पोषण आहार, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा अन्य सेवाओं की सतत निगरानी आवश्यक है। बच्चों को शासन की योजनाओं का समुचित लाभ मिले, यह सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधे संवाद स्थापित कर समस्याओं का त्वरित निराकरण करना है।

सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंच रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें तथा अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को प्रशासन के समक्ष खुलकर रखें। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अमला मिलकर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं।

गांवों में सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सांसद श्रीमती चौधरी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु स्व-सहायता समूहों से जुड़ने तथा युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

बसना विधायक श्री संपत अग्रवाल ने कहा कि शासन की मंशा है कि आम जनता की समस्याओं का निराकरण गांव स्तर पर ही हो तथा लोगों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम बन रहा है। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, जिला सीईओ हेमंत नंदनवार, जनपद अध्यक्ष ऊषा धृतलहरे, जनपद उपाध्यक्ष ब्रम्हानंद पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को राजस्व, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, खाद्य, शिक्षा तथा सामाजिक कल्याण विभाग की योजनाओं से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई। कई हितग्राहियों को मौके पर प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र एवं अन्य लाभ वितरित किए गए।

बस्तर के बच्चों की खेल प्रतिभा तराशने जल्द शुरू होगी अकादमी

एथलेटिक्स, फुटबॉल तथा आर्चरी का दिया जाएगा प्रशिक्षण, प्रवेश के लिए जल्द आयोजित किया जाएगा चयन ट्रायल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर के बच्चों की खेल प्रतिभा और कौशल को तराशने खेल एवं युवा कल्याण विभाग जगदलपुर में जल्द ही नई अकादमी खोलने जा रहा है। यह बस्तर अंचल का पहला आवासीय खेल अकादमी होगा। यहां बालकों को एथलेटिक्स, फुटबॉल और आर्चरी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अकादमी में प्रवेश के लिए विभाग द्वारा जल्द ही चयन ट्रायल आयोजित किया जाएगा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सलाम ने आज जगदलपुर पहुंचकर अकादमी शुरू करने की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बस्तर के खेल अधिकारियों से चर्चा कर मौजूदा अधोसंरचनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने उपलब्ध आवास व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, चयन ट्रायल की प्रक्रिया, विद्यालय सुविधा, वाहन व्यवस्था, खेल सामग्री तथा आवास सहित सभी मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रस्तावित अकादमी भवन का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को खिलाड़ियों के लिए बेहतर वातावरण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

श्रीमती सलाम ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में आवासीय खेल अकादमी प्रारंभ होने से स्थानीय प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण एवं सुविधाएं प्राप्त होंगी, जिससे क्षेत्र के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे और पदक अर्जित कर सकेंगे। इस अकादमी से बस्तर के नैसर्गिक प्रतिभावान खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, डाइट, आधुनिक उपकरण, आवास, शिक्षा, बीमा, किट, इलाज, उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी आदि की सुविधा खेल विभाग से मिलेगी।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा अकादमी में प्रवेश के लिए जल्द ही चयन ट्रायल विज्ञापन जारी किया जाएगा, जिसमें 13 वर्ष से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। एथलेटिक्स में 20, फुटबॉल में 25 तथा आर्चरी में 20 खिलाड़ियों का चयन आवासीय अकादमी में प्रशिक्षण के लिए किया जाएगा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सलाम ने खेलो इंडिया लघु केन्द्र पण्डरीपानी में संचालित हॉकी सेंटर का भी दौरा किया। उन्होंने यहां छात्रावास भवन और जिम हॉल का निरीक्षण कर केन्द्र में प्रशिक्षणरत खिलाड़ियों की संख्या और उपलब्ध खेल सामग्रियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने खिलाड़ियों से मिलकर प्रशिक्षण और अन्य सुविधाओं का फीडबैक भी लिया।

मनरेगा की डबरी से बदली किस्मत, हसदा के किसान जयलाल बैसाखु बने आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ समाचार

बेमेतरा। जिले के जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत हसदा के किसान जयलाल बैसाखु ने मेहनत, नवाचार और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से अपनी जिंदगी की तस्वीर बदल दी है। कभी बंजर और सूखे पड़े खेत में आज समृद्धि की हरियाली लहलहा रही है।

निजी भूमि पर निर्मित डबरी ने न केवल उनकी खेती को नया जीवन दिया, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर किसान के रूप में पहचान भी दिलाई है।श्री जयलाल बैसाखु के पास लगभग 2 एकड़ भूमि थी, जो ऊंचाई पर स्थित होने के कारण बारिश का पानी नहीं रोक पाती थी। खरीफ सीजन में धान की फसल भी मुश्किल से तैयार होती थी और परिवार का भरण-पोषण करना चुनौती बना हुआ था। इसी दौरान उन्हें ग्राम रोजगार सहायक से मनरेगा के तहत निजी भूमि पर डबरी निर्माण योजना की जानकारी मिली। उन्होंने तत्काल आवेदन किया, जिसके बाद पंचायत के तकनीकी सहायक द्वारा स्थल निरीक्षण कर डबरी निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई।

मनरेगा के अंतर्गत डबरी निर्माण कार्य शुरू हुआ, जिसमें स्वयं जयलाल और उनके परिवार के सदस्यों ने श्रमिक के रूप में कार्य किया। इससे उन्हें मजदूरी भी प्राप्त हुई और खेत में लगभग 10 फीट गहरी डबरी तैयार हो गई। बारिश के मौसम में डबरी पानी से भर गई और यही पानी उनके जीवन में नई उम्मीद लेकर आया। पानी उपलब्ध होने के बाद जयलाल ने परंपरागत खेती के बजाय एकीकृत कृषि मॉडल अपनाया।

मंत्री अग्रवाल ने सुनीं आम जनता की समस्या

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर स्थित अपने निज निवास में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों, महिलाओं और नागरिकों ने सड़क, बिजली, पेयजल, राजस्व प्रकरण तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ी समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखा। मंत्री श्री अग्रवाल ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनता से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा हर शिकायत का निराकरण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से होना चाहिए।

जनदर्शन के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन, पारदर्शिता और विकास को केंद्र में रखकर कार्य कर रही है। शासन की मंशा है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और किसी भी पात्र हितग्राही को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में अधोसंरचना विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

सुशासन शिविर में हाथों-हाथ मिला योजनाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में सुकमा जिले में आयोजित सुशासन शिविर ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहे हैं। 'सुशासन तिहार एवं बस्तर मुन्ने अभियान' के तहत लगाए जा रहे शिविरों में लोगों को मौके पर ही विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। गादीरास में आयोजित क्लस्टर स्तरीय शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही मौके पर ही आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी भी बनाई गई। इससे ग्रामीणों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ तुरंत मिल सका।

शिविर में उस समय भावुक और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला, जब सोनाकुकानार गांव से आए मासूम इंदुनाथ का आयुष्मान कार्ड तत्काल बनाकर उसके परिवार को सौंप दिया गया। अब परिवार को बच्चे के इलाज और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर बड़ी राहत मिली है। परिजनों ने प्रशासन की त्वरित व्यवस्था की सराहना करते हुए खुशी जताई।

इसी तरह देवी चौक सुकमा में आयोजित शिविर में नेहा नाग श्रम कार्ड बनवाने पहुंचीं। अधिकारियों ने तुरंत प्रक्रिया पूरी करते हुए मौके पर ही उनका श्रम कार्ड बनाकर सौंप दिया।

हाथों-हाथ श्रम कार्ड मिलने से नेहा बेहद खुश नजर आईं। उन्होंने कहा कि पहली बार उन्हें बिना दफ्तरों के चक्कर लगाए इतनी जल्दी सरकारी सुविधा मिली है। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इन शिविरों में लोगों की समस्याओं का तेजी से समाधान किया जा रहा है। नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी मौके पर किए जा रहे हैं।

5 साल पुराने माइग्रेन से मुक्त हुईं सीमा, जिला प्रशासन की अनूठी पहल से संवर रही जिंदगी

सेहत के साथ युवाओं को मिल रही मुख्यधारा की रोशनी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीते पांच साल सुकमा निवासी 39 वर्षीय सीमा सिंह के लिए किसी दु:स्वप्न से कम नहीं थे। माइग्रेन के दर्द से तड़पती सीमा ने राहत की चाह में दूर-दूर के बड़े शहरों के चक्कर काटे, एलोपैथी की ढेरों दवाइयां खाईं, लेकिन बीमारी जस की तस रही। निराशा के इन बादलों के बीच उम्मीद की एक किरण तब जागी, जब वे बीते 4 मई को 'आयुष स्पेशलिटी क्लिनिक सुकमा' पहुँचीं।

यहाँ अनुभवी चिकित्सक डॉ. मनोरंजन पात्रो की देखरेख में लगभग एक सप्ताह तक चले आयुर्वेदिक इलाज, सटीक दवाइयों और पंचकर्म की 'शिरोधारा' पद्धति के जादू ने कमाल कर दिया। वर्षों पुराना वह दर्द गायब हो गया जिसने उनकी रातों की नींद छीन रखी थी। दर्द से इस मुक्ती ने सीमा के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है, जिसके लिए उन्होंने दिल से शासन-प्रशासन का आभार जताया है।

बंदूकों के साए से बाहर, मुख्यधारा का सहारा

कलेक्टर अमित कुमार की यह मुहिम सिर्फ मरीजों को ठीक करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बेहद संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण भी छिपा है। जिला प्रशासन ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ सुकमा के युवाओं के पुनर्वास की भी एक अनूठी मिसाल पेश की है। कलेक्टर की विशेष पहल पर दो आत्मसमर्पित युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा गया और उन्हें इसी आयुष चिकित्सालय में 'कलेक्टर दर' पर सम्मानजनक रोजगार प्रदान किया गया। कभी गुमराह रहे इन युवाओं के हाथों को रोजगार देकर प्रशासन ने न सिर्फ उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा दी है, बल्कि जिले में शांति और विकास का एक नया अध्याय भी लिखा है। सुकमा का आयुष चिकित्सालय आज सिर्फ एक अस्पताल नहीं, बल्कि उम्मीद और पुनर्वास का एक जीवंत केंद्र बन चुका है। एक तरफ जहाँ असाध्य बीमारियों से जूझ रहे आम नागरिकों को सुकमा की वादियों में ही विश्वस्तरीय आयुर्वेदिक और पंचकर्म उपचार मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ भटके हुए युवाओं को रोजगार देकर देश की मुख्यधारा में वापस लाया जा रहा है। स्वास्थ्य क्रांति और सामाजिक सुधार के इस बेजोड़ संगम ने साबित कर दिया है।

बदलती स्वास्थ्य व्यवस्था की सुखद तस्वीर

सीमा सिंह की यह मुस्कान सुकमा जिला प्रशासन के उन संजीदा प्रयासों का नतीजा है, जो दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को आम लोगों तक पहुँचाने के लिए किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री अमित कुमार के पदभार संभालते ही जिला आयुष चिकित्सालय की तस्वीर बदलने के प्रयास तेज कर दिए गए। अस्पताल में न केवल बुनियादी ढाँचे को मजबूत किया गया, बल्कि पारंपरिक और बेहद असरदार 'पंचकर्म' चिकित्सा की भी शुरुआत की गई। प्रशासन की इसी विशेष पहल का असर है कि आज यह अस्पताल रविवार को छोड़कर सप्ताह के छह दिन पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है, जहाँ हर दिन औसतन 14 से 15 मरीज डॉ. पात्रो की देखरेख में नया और स्वस्थ जीवन पा रहे हैं।

सीएम हेल्पलाइन 1076 से आम जनता की शिकायतों का होगा समयबद्ध निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार प्रदेश के नागरिकों को शासकीय सेवाओं तक सरल पहुंच और उनकी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए राज्य सरकार द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली छत्तीसगढ़ प्रारंभ की जा रही है। सुशासन एवं अभिसरण विभाग के अंतर्गत संचालित इस प्रणाली का उद्देश्य नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने, शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत, सुलभ और विश्वसनीय मंच प्रदान करना है।

इसी क्रम में जशपुर जिला पंचायत सभाकक्ष में ब्लॉक एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर रोहित व्यास ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण सभी अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए और शिकायतों के समाधान में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार, अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू, सीएम हेल्पलाइन के जिला स्तरीय नोडल अधिकारी हरिओम द्विवेदी, सभी एसडीएम तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण दल के प्रमुख श्री अनुराग दीवान ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन एक केंद्रीकृत और तकनीक आधारित शिकायत निवारण प्रणाली है, जिसके माध्यम से नागरिक फोन, व्हाट्सऐप, वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप और लिखित आवेदन के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

प्रत्येक शिकायत को एक विशिष्ट टोकन नंबर प्रदान किया जाएगा, जिससे उसकी रियल-टाइम ट्रैकिंग संभव होगी।

उन्होंने बताया कि शिकायतों के समाधान के लिए चार स्तरीय तंत्र विकसित किया गया है। इसमें एल-1 पर ब्लॉक स्तर, एल-2 पर जिला स्तर, एल-3 पर संभागीय अथवा निदेशालय स्तर तथा एल-4 पर सचिव या विभागाध्यक्ष स्तर पर शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। निर्धारित समयसीमा में समाधान नहीं होने की स्थिति में शिकायत स्वत: अगले स्तर पर प्रेषित हो जाएगी।

खास खबर

पान दुकान में चोरी की कोशिश नाकाम, दो आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र में पान ठेला दुकान में चोरी करने घुसे दो आरोपियों को पुलिस ने चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे थे, लेकिन दुकानदार की सतर्कता और ग्रामीणों की मदद से पकड़ लिए गए। धाराशिव निवासी राजकुमार राठौर ने थाना पामगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 15 मई की रात वह अपनी दुकान बंद कर पारिवारिक कार्यक्रम में जांजगीर गया था। देर रात करीब 11 बजे वापस लौटने पर उसने देखा कि दुकान का कुंडा टूटा हुआ है और अंदर से आवाज आ रही है। संदेह होने पर उसने बाहर से सिटकनी लगा दी और आसपास के लोगों को बुला लिया। दुकान खोलते ही अंदर से दो युवक बाहर निकलकर भागने लगे, जिन्हें ग्रामीणों की मदद से पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम रवि यादव निवासी खोखरा जांजगीर और अविनाश यादव निवासी भोजपुर चौक चांपा बताया। दोनों बिना नंबर की हीरो स्प्लेंडर बाइक से चोरी करने पहुंचे थे। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4), 62 और 3(5) के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

चोरी का सामान खरीदने वाला कबाड़ी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर की टिकरापारा थाना पुलिस ने चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त करने वाले कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। मठपुरैना निवासी रविकांत वर्मा ने थाना टिकरापारा में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके निर्माणाधीन मकान से अज्ञात चोर ग्राइंडर मशीन, ड्रिल मशीन और बिजली वायर सहित करीब 82 हजार रुपये का सामान चोरी कर ले गए हैं। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पूछताछ में दोनों ने चोरी करना स्वीकार करते हुए बताया कि चोरी का सामान एक्टिवा से ले जाकर शंकर नगर स्थित गणेश कबाड़ी को बेच दिया था। पुलिस ने कबाड़ी दुकान में छापा मारकर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया। मामले में गणेश उर्फ आसिफखान (46 वर्ष) निवासी अमन नगर, मोवा रेलवे क्रॉसिंग के पास थाना पंडरी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। वहीं, दोनों नाबालिग आरोपियों को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल एक्टिवा और बिक्री से मिली रकम भी जब्त कर ली है।

700 ग्राम गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

राजनांदगांव। सोमनी पुलिस ने 700 ग्राम गांजा के साथ युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा था। जब्त गांजे की कीमत पुलिस ने 35 हजार रुपए बताया है। सोमनी पुलिस ने बताया कि ग्राम इंदावानी चौक में गांजा बेचने पहुंचे युवक की सूचना मिली। इसके बाद टीम ने मौके पर दबिश दी। जहां से आरोपी प्रवीण साहू को गिरफ्तार किया गया। आरोपी एक बैग में 700 ग्राम गांजा रखा हुआ था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

हथियार लहराकर दहशत फैलाने के आरोप में दो पकड़ाए

दुर्ग। दुर्ग के सिटी कोतवाली क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर धारदार हथियार लहराकर राहगीरों को डराने-धमकाने के आरोप में पुलिस ने दो युवकों को पकड़ा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि नयापारा तिराहा और गंजपारा नदी रोड में कुछ युवक हथियार दिखाकर भय का माहौल बना रहे हैं। टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों को अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लिया। नयापारा तिराहा के पास लुकेश यादव के पास से लोहे का फरसा नुमा धारदार हथियार बरामद हुआ। गंजपारा नदी रोड पर सिन्हा होटल के पास आकीब अली के पास से स्टील का बटनदार धारदार हथियार मिला।

महिला वकील की हत्या का खुलासा : प्रेमी निकला कातिल, शादी की जिद से बिगड़ी बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में महिला वकील की हत्या का मामला सुलझ गया है। पुलिस ने इस मामले में महिला वकील के प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी का महिला वकील से प्रेम संबंध था और वह पहले से शादीशुदा था। यह बात महिला वकील को पता चल गई थी और वह उससे शादी की जिद करने लगी। इससे परेशान होकर प्रेमी ने प्लानिंग कर महिला वकील की हत्या कर शव को पत्थर से कुचल दिया। मामला जिले के पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है।

बता दें ग्राम तुमीडीह के जंगल में डेम किनारे बीते 12 मई मंगलवार की शाम युवती का नग्न शव मिला था। इसके दो दिन बाद महिला की शिनाख्त आराधना सिदार के रूप में हुई। आराधना जूनियर वकील के रूप में प्रैक्टिस कर रही थी। जांच के दौरान पता चला कि सक्ती जिला निवासी लोकनाथ पटेल ने हत्या की। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया गया। पुलिस की पूछताछ में लोकनाथ पटेल ने हत्या का कारण सहित सभी जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि लोकनाथ पटेल (30) चारपारा सक्ती का रहने वाला है। साल 2024 में उसकी पहचान लैलूंगा की रहने वाली आराधना सिदार से हुई थी। वह रागयढ़ जिला अधिवक्ता संघ की सदस्य व जूनियर वकील के तौर पर प्रैक्टिस कर रही थी। दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत शुरू हुई और बाद में प्रेम संबंध बन गया। इसके बाद आराधना सिदार ने शादी की जिद की। लोकनाथ पहले से शादीशुदा था और वह परिवार और प्रेमिका की जिद के बीच फंस गया। इसी उधेड़बुन में उसने आराधना की हत्या की योजना बनाई।

प्लानिंग कर लॉज में मिले

प्लानिंग के बाद लोकनाथ 10 मई की सुबह उससे मिलने पंजरी प्लांट पहुंचा। वहां से आराधना को लेकर सक्ति की ओर निकल गया। दोनों दमाउधारा मंदिर घूमने गए और शाम करीब 4:30 बजे वापस लौटे। इसके बाद आरोपी ने एक ठेले से खाना पैक कराया और शक्ति थाना के पास स्थित गुप्ता लॉज में कमरा लिया।

लॉज के रजिस्टर में उसने अपना और आराधना का नाम बदलकर पति-पत्नी के रूप में दर्ज कराया। लॉज में दोनों के बीच शादी को लेकर फिर विवाद हुआ। 11 मई की सुबह करीब 5:30 बजे लोकनाथ अपनी बाइक से आराधना को तुमीडीह जंगल ले गया। 7:30 बजे तक दोनों जंगल के काफी अंदर तक चले गए थे।

पहले गला दबाया और फिर पत्थर से सिर कुचला

जंगल के अंदर पहुंचने के बाद लोकनाथ ने आराधना का पीछे से गला दबा दिया। इससे वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। इसके बाद उसने पत्थर से सिर और चेहरे पर कई वार किए। इसके बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए महिला वकील के कपड़े उतारकर वहीं फेंक दिए। इसके बाद चाकू से गले पर हमला कर उसकी हत्या कर शव को जंगल में छोड़कर भाग गया। घर लौटते समय आरोपी ने राबो डैम के पास हाथ-पैर से खून धोया। बाद में उसने युवती के बैग से मिले रुपए खर्च कर दिए और बैग तालाब के पास फेंक दिया। आधार और एटीएम कार्ड जला दिए। आरोपी को आराधना के मोबाइल से उसकी बहन और सहेलियों को लड़की की आवाज निकालकर कॉल भी किया।

सीबीआई ने इंटरनेशनल बॉडी बिल्डर को दुर्ग से किया गिरफ्तार

वेटलिफ्टर और बॉडी बिल्डर दोनों पर कार्रवाई, नौकरी लगवाने ठगे, घर से लाखों कैश बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रायपुर में शनिवार को सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेलवे से जुड़े दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें अंतरराष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग रेफरी और रेलवे कर्मचारी बी. राजशेखर राव, रेलवे कर्मचारी और वेटलिफ्टर राजलक्ष्मी शामिल हैं। दोनों पर रेलवे में नौकरी लगाने के नाम पर लोगों से ठगी करने का आरोप है।

सीबीआई की टीम ने बी. राजशेखर राव को दुर्ग के न्यू पुलिस लाइन स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया। वहीं राजलक्ष्मी को रायपुर स्थित डीआरएम ऑफिस से हिरासत में लिया गया। कार्रवाई के दौरान दोनों के ठिकानों पर तलाशी भी ली गई। जांच में टीम को घर से लाखों

रुपए कैश मिलने की जानकारी सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों पर लंबे समय से रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से रकम लेने का आरोप था। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामले की जांच शुरू की थी। शुरुआती जांच में कई अहम जानकारियां मिलने के बाद टीम ने एक साथ दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार किया।

घर से कैश भी बरामद

बताया जा रहा है कि, सीबीआई की टीम ने दुर्ग और रायपुर में कई घंटे तक पूछताछ और दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान कुछ अहम कागजात और कैश भी जब्त की गई है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि मामले में कितने लोग ठगी का शिकार हुए हैं और कितनी रकम का लेनदेन हुआ है।

डीआरएम कार्यालय रायपुर ने भी कार्रवाई की पुष्टि की है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जानकारी सीबीआई से मिलने के बाद ही आगे कुछ कहा जा सकेगा। फिलहाल दोनों आरोपी सीबीआई की गिरफ्त में हैं और उनसे पूछताछ जारी है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय में किया गया पेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। थाना कोतवाली बीजापुर में पीड़िता द्वारा अपने साथ हुए दुष्कर्म की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि आरोपी सतीश माड़वी ने अटल आवास स्थित अपने निवास पर वोटर आईडी कार्ड देने के बहाने बुलाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया तथा घटना के संबंध में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

घटना के बाद पीड़िता के द्वारा सखी सेंटर पहुंचकर अपने साथ हुए दुष्कर्म के संबंध में अवगत कराई तथा घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। पीड़िता सखी सेंटर के माध्यम से थाना कोतवाली पहुंचकर आरोपी सतीश माड़वी के विरुद्ध जबरन दुष्कर्म करने के सबंध में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई।

पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली बीजापुर द्वारा आरोपी सतीश माड़वी के विरुद्ध धारा 64(1), 64(2), 351(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आरोपी सतीश माड़वी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें आरोपी द्वारा अपराध करना स्वीकार किया गया। तत्पश्चात आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

माल वाहन की रस्सी से फंसा बाइक सवार का गला, मामला दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा शहर में एक माल वाहन से लापरवाही पूर्वक सामान उतारते समय एक बाइक सवार का गला रस्सी में फंस गया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के प्रेमचंद अर्जुन दास दुकान के पास हुई। पीड़ित राजू साहू (52), निवासी गुप्ता गली, संजय नगर, सीतामणी से सामान लेकर अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान वाहन का चालक सामान उतार रहा था।

चालक और हमाल रस्सी को घुमा-घुमाकर खोल रहे थे, तभी रस्सी उछलकर राजू साहू के गले में फंस गई। रस्सी में फंसने से राजू साहू लगभग 20 से 30 मीटर तक घिसटते चले गए और बाइक समेत गिर पड़े। राजू साहू के विरोध करने पर वाहन चालक मनोज चंद्रा उर्फ महेंद्र चंद्रा और हमाल समीर चौहान भड़क गया।

उन्होंने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और कहा, रस्सी फेंकेंगे तो फंसेगा ही। इसके बाद दोनों आरोपियों ने घायल राजू साहू से मारपीट शुरू कर दी। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर राजू को बचाया। इस घटना में राजू को अंदरूनी चोटें आई हैं। घायल राजू साहू ने किसी तरह कोतवाली पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने वाहन चालक महेंद्र चंद्रा और हमाल समीर चौहान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 296, 3(5), 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया है।

भिलाई के पुलिस पेट्रोल पंप पर जमकर हंगामा

युवकों ने कार सवार को थप्पड़ मारा, लाठी लेकर दौड़ता दिखा स्टाफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के सेक्टर-6 स्थित पुलिस पेट्रोल पंप में गुरुवार देर रात जमकर हंगामा हो गया। पेट्रोल भराने पहुंचे एक युवक के साथ पहले सड़क किनारे मारपीट की गई। इसके बाद जब युवक पेट्रोल पंप पहुंचा तो विवाद बढ़ गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पेट्रोल पंप का एक कर्मचारी भी डंडा लेकर भागता नजर आ रहा है।

बीएसपी कर्मचारी बी. एस. श्रीनिवास राव ने भिलाई नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि शहर के ज्यादातर पेट्रोल पंप पर पेट्रोल खत्म हो गया था। उन्हें जानकारी मिली थी कि सेक्टर-6 पुलिस पेट्रोल पंप पर पेट्रोल मिल रहा है। इसी वजह से वे अपनी कार सीजी 07 सीवाय 4612 से रात करीब 11:35 बजे सेक्टर-6 की तरफ जा रहे थे।

परिवार चौक के आगे उन्होंने दोस्त का फोन आने पर अपनी कार सड़क किनारे खड़ी कर दी और नीचे उतरकर मोबाइल पर बात करने लगे। इसी दौरान दो बाइक में सवार 4 युवक पहुंचे। आरोप है कि युवकों ने उनसे शराब पीने के लिए पैसे मांगे।

मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए उनके साथ मारपीट की। शिकायतकर्ता ने बताया कि, एक युवक ने उनके गाल पर थप्पड़ भी मारा। सभी युवक शराब के नशे में थे।

पेट्रोल पंप कर्मचारियों से भी झूमाझटकी

घटना के बाद चारों युवक वहां से भाग गए। इसके बाद श्रीनिवास राव पेट्रोल भराने सेक्टर-6 पुलिस पेट्रोल पंप पहुंचे। वहां काफी भीड़ लगी थी। इसी दौरान उन्होंने देखा कि चारों युवक पेट्रोल पंप पर मौजूद हैं। उन्होंने पेट्रोल पंप के कर्मचारियों को बुलाकर पूरी बात बताई।

इसके बाद कर्मचारियों ने युवकों को पकड़ने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि इस दौरान पेट्रोल पंप के स्टाफ और आरोपियों के बीच भी झूमाझटकी हुई। मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। दो युवक वहां से भाग निकले, जबकि दो को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम रितिक चौहान और अभिषेक वाशनिक बताया।

पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

शिकायतकर्ता का कहना है कि, आरोपी लगातार गाली-गलौज कर रहे थे, जिससे वहां मौजूद लोग भी परेशान हो गए। मामले में भिलाई नगर पुलिस ने शिकायत के आधार पर रितिक चौहान, अभिषेक वाशनिक और उनके अन्य साथियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 119(1), 296, 3(5) और 351(3) के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपियों को उसी सेक्टर-6 पुलिस पेट्रोल पंप पर ले जाकर उनका जुलूस भी निकाला गया, जहां उन्होंने हंगामा और मारपीट की थी। वहीं, घटना में शामिल बाकी दो फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लकड़ी लेने जंगल गया था, रातभर नहीं लौटा, सुबह जंगल में मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत हो गई। वह जलाऊ लकड़ी लेने जंगल गया था, लेकिन रातभर घर वापस नहीं लौटा। शनिवार सुबह उसकी लाश जंगल में मिलने के बाद घटना की सूचना वन विभाग को दी गई।

मामला कापू रेंज का है। धरमजयगढ़ वन मंडल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम इंदकालो निवासी मालिकराम बंजारा (55) शुक्रवार को जलाऊ लकड़ी लेने छेनापतरा जंगल गया था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में जुट गए।

इसी दौरान शनिवार सुबह अलोला बीट के जंगल में एक ग्रामीण का शव पड़ा मिला। शव की स्थिति देखकर आशंका जताई गई कि हाथी के हमले में उसकी मौत हुई है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

सरगुजा के जंगल से आया हाथी

वन अमले ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। फिलहाल विभाग आगे की कार्रवाई में जुटा हुआ है। बताया जा रहा है कि कापू रेंज के अलोला बीट क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से सरगुजा की ओर से आया एक हाथी विचरण कर रहा था।

135 हाथियों का दल विचरण कर रहा

इसे देखते हुए वन विभाग की टीम लगातार प्रभावित गांवों में मुनादी कराकर लोगों से जंगल नहीं जाने की अपील कर रही थी। इसी दौरान यह घटना घटित हो गई। विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार धर्मजयगढ़ वन मंडल क्षेत्र में वर्तमान में 135 हाथियों का दल विचरण कर रहा है।

इनमें सबसे अधिक 52 हाथी छाल रेंज में मौजूद हैं। इसके अलावा अन्य रेंजों में भी हाथियों की मौजूदगी बनी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक कुल हाथियों में 39 नर, 70 मादा और 26 शावक शामिल हैं।

झोराघाट में पिकनिक मनाने गए युवक की डूबने से मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के कटघोरा थाना क्षेत्र स्थित झोराघाट में पिकनिक मनाने गए 17 साल के युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कटघोरा निवासी अलाउद्दीन के रूप में हुई है। रविवार को अलाउद्दीन अपने परिवार के साथ झोराघाट पिकनिक मनाने पहुंचा था। दोपहर में गर्मी से राहत पाने के लिए अलाउद्दीन नदी में नहाने उतरा। उसे पानी की गहराई का अंदाजा नहीं था और वह नहाते-नहाते गहरे पानी में चला गया। अलाउद्दीन को डूबता देख साथ गए परिजनों और आसपास मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। लोगों ने तुरंत नदी में कूदकर उसे बाहर निकाला और आनन-फानन में कटघोरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अलाउद्दीन घर का इकलौता बेटा था। परिजनों ने बताया कि उसे तैरना नहीं आता था और वह पहली बार झोराघाट आया था, इसलिए पानी की गहराई से अनजान था।

घटना की सूचना पर कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से झोराघाट जैसे पिकनिक स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

24 हजार का गांजा जब्त, आरोपी कैद में

श्रीकंचनपथ न्यूज

साजा। जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत साइबर सेल और थाना साजा पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है।

आरोपी के कब्जे से 1 किलो 880 ग्राम अवैध गांजा, जिसकी कीमत लगभग 24 हजार रुपये आंकी गई है, जब्त किया है। सूचना के आधार पर 15 मई को ग्राम खैरी में दबिश देकर आरोपी हेमराम वर्मा के घर से गांजा बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में आरोपी द्वारा अवैध बिक्री के लिए गांजा रखने की पुष्टि हुई, जिसके बाद एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया।

प्रमुख खबरें

बाल वैज्ञानिक सृष्टि और पीयूष को मंत्री ने किया सम्मानित

पिथौरा। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखंड के ग्राम पंचायत मुढ़ीपार में समाधान शिविर का आयोजन हुआ। जहां विकासखंड शिक्षा अधिकारी लक्ष्मी डडसेना के मार्गदर्शन व गौरव चंद्राकर के विशेष देखरेख में तैयार किया गया बाल वैज्ञानिक सृष्टि यदु पीएम श्री विद्यालय पिथौरा का मॉडल मल्टीपरपज स्मार्ट रोबोटिक्स एवं पियूष साहू सेंट फ्रांसिस विद्यालय पिथौरा का मॉडल सांपों की सुरक्षा वाला चारपाई का आगामी सितंबर माह 2026 में होने वाले राष्ट्रीय विज्ञान मेला दिल्ली के लिए चयनित किया गया है। इस उपलब्धि के लिए मुख्य अतिथि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ने बाल वैज्ञानिकों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद रूपकुमारी चौधरी, बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह उपस्थित थे। बाल वैज्ञानिक सृष्टि और पीयूष और उनके मार्गदर्शक शिक्षक गौरव चंद्राकर को बधाई और शुभकामनाएं दी।

66 स्कूल बिल्डिंग जर्जर : मरम्मत के लिए बजट नहीं

जगदलपुर। नए शिक्षा सत्र के शुरू होने में अब एक ही महीना बचे हैं। जिले के 66 स्कूल भवन बेहद खराब हालत में हैं। शिक्षा विभाग ने इन्हें डेंजर तक घोषित कर दिया है। ये इमारतें कभी भी गिर सकती हैं। इन जर्जर भवनों की मरम्मत के लिए विभाग के पास बजट नहीं है। नए सत्र में भी बच्चे इन्हीं खतरनाक छतों के नीचे बैठकर पढ़ने को मजबूर होंगे। टपकती छतों और दरकती दीवारों को देखकर बच्चों के माता-पिता बेहद चिंतित हैं। उन्हें डर है कि बारिश शुरू होने पर कोई बड़ा हादसा न हो जाए। इसी खौफ के चलते कई पालक अपने बच्चों को स्कूल भेजने से भी कतराने लगे हैं।

सुशासन शिविर में सामने आई संवेदनशीलता : बलौदाबाजार कलेक्टर ने अपने हाथों से लिखा बुजुर्ग ग्रामीण के लिए आवेदन

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदाबाजार। जिले के विकासखंड पलारी के ग्राम पंचायत कुसमी में शनिवार को सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में एक संवेदनशील दृश्य देखने को मिला जब कलेक्टर कुलदीप शर्मा एक बुजुर्ग के पास बैठकर समस्या सुनी और खुद बुजुर्ग हितग्राही के लिये आवेदन लिखा। कलेक्टर ने आवेदन पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश एसडीएम को दिये जिस कार्यवाही करते हुए पर 2 घंट में समस्या का समाधान कर दिया गया।

ग्राम गातापार निवासी लगभग 70 वर्षीय बुजुर्ग जगदीश प्रसाद वर्मा सुशासन शिविर में अपनी समस्या लेकर पहुंचे थे। फॉर्म लेकर आवेदन लिखने की जद्दोजहद कर रहे थे उसी समय स्टॉल अवलोकन के दौरान कलेक्टर कुलदीप शर्मा की नजर उन पर पड़ी तो

नजदीक जाकर आत्मीयता से बात की। जगदीश वर्मा ने बताया कि एक व्यक्ति द्वारा शासकीय भूमि में अतिक्रमण कर रास्ता बंद कर दिया गया है। रास्ता के लिये आवेदन देने आया हूं लेकिन आवेदन लिखने में परेशानी हो रही है। इस पर कलेक्टर श्री शर्मा ने बुजुर्ग जगदीश वर्मा के पास बैठकर उनसे फॉर्म लेकर आवेदन लिखा और भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या का तत्काल समाधान होगा।

कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व अमले द्वारा ग्राम गातापार पहुंचकर जगदीश प्रसाद वर्मा और अनावेदक भुलाऊ निषाद का समझौता कराकर आपसी सहमति से निस्तारी हेतु 10 फीट रास्ता दिलवाया गया। जिला प्रशासन की त्वरित कार्यवाही से खुश जगदीश प्रसाद वर्मा ने कहा कि भुलाऊ निषाद द्वारा शासकीय जमीन में दीवाल खड़ा कर दिया था जिससे निस्तारी के लिये रास्ता बंद हो गया था।

सुशासन तिहार के तहत लेमरू पहुंचे मुख्यमंत्री

जनता की सेवा ही शासन का कर्त्तव्य, मेधावी विद्यार्थियों को साय ने दी टैबलेट की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सुशासन तिहार के अंतर्गत कोरबा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम लेमरू में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से सरकार बनी है और उनकी सेवा करना ही सरकार का परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार सरकार की जनता तक सीधी पहुंच और संवेदनशील कार्यशैली का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 1 मई से प्रारंभ हुआ सुशासन तिहार 10 जून तक संचालित होगा, जिसके माध्यम से प्रदेशभर में आम लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार परिवार का मुखिया परिवार के सुख-दुख और जरूरतों का ध्यान रखता है, उसी भावना से सरकार भी गांव-गांव पहुंचकर योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रही है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं भी अचानक गांवों में पहुंचकर पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर आम जनता से संवाद कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं, किसानों, श्रमिकों, वनवासियों और गरीब परिवारों के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को हर माह आर्थिक सहायता दी जा रही है। प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दी गई है, जिनमें बड़ी संख्या में आवास बनकर तैयार हो चुके हैं। तेंदूपत्ता संग्रहण दर को बढ़ाकर 5500 रुपये प्रति मानक बोरा किया गया है तथा किसानों से रिकॉर्ड मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार ने मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को कम समय में पूरा किया है। गांव-गांव तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर गरीबों, किसानों और जरूरतमंदों को राहत दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से मुख्यमंत्री स्वयं प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचकर जनता से सीधे संवाद कर रहे हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय लगातार प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। सुशासन तिहार के माध्यम से समस्याओं के त्वरित निराकरण के साथ सरगुजा से बस्तर तक विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का मुख्यमंत्री को सुनने और उनसे मिलने पहुंचना जनता के विश्वास और आत्मीय जुड़ाव का प्रतीक है।

शिविर के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने लेमरू क्षेत्र के लिए अनेक विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने सिंचाई के लिए एनीकट निर्माण, पोस्ट मैट्रिक छात्रावास स्थापनाए विभिन्न ग्राम पंचायतों में विद्युतीकरण, स्कूल भवन, आंगनबाड़ी भवन, सीसी रोड और पुलिया निर्माण की घोषणाएं कीं।

मुख्यमंत्री ने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कोरबा जिले के 18 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों को राशन कार्ड, कृषि उपकरण, ट्राइसाइकिल, श्रवण यंत्र, मछली पालन सामग्री, पंप, पावर स्प्रेयर, सुपोषण टोकरी तथा स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहन राशि के चेक वितरित किए। उन्होंने पीएम आवास योजना के हितग्राहियों से मुलाकात कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी भी ली।

प्रधानमंत्री आवास : मुख्यमंत्री साय ने धरम सिंह को नए घर में कराया गृह प्रवेश

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कोरबा जिले के लेमरू पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राही धरम सिंह के नव निर्मित आवास का उद्घाटन एवं गृह प्रवेश कराया।

वर्षों तक कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने वाले धरम सिंह के परिवार के लिए यह दिन किसी उत्सव से कम नहीं रहा। मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और नए घर के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों को अच्छी शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर पैनल स्थापना हेतु डीएमएफमद से हितग्राही अंशदान की 60 हजार रुपये की राशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब और जरूरतमंद परिवारों को केवल आवास ही नहीं, बल्कि बेहतर जीवन के लिए आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री के आगमन से धरम सिंह का परिवार भावुक हो उठा। परिवार ने आत्मीय स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से मिले लाभों के लिए आभार व्यक्त किया। पूरे गांव में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा कि अब योजनाओं का लाभ वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है और लोगों का शासन के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है।

इस अवसर पर उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कोसला धाम में की पूजा अर्चना

श्रीकंचनपथ समाचार

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत आज जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड स्थित ग्राम कोसला पहुंचकर माता कौशल्या मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने माता कौशल्या एवं प्रभु श्रीराम से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री श्री साय के मंदिर परिसर पहुंचने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, मंदिर सेवा समिति एवं ग्रामीणों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी उनके साथ उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, आस्था और परंपराएं प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। हमारी सरकार विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

मंदिर सेवा समिति द्वारा मुख्यमंत्री श्री साय को माता कौशल्या मंदिर का आकर्षक छायाचित्र स्मृति स्वरूप भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय के अचानक आगमन से क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीणजन एवं स्थानीय नागरिक इस अवसर पर उपस्थित थे।

विकास का नया फार्मूला : सबसे दूर-सबसे पहले

श्रीकंचनपथ समाचार

■ जनजातीय गरिमा उत्सव का आयोजन 18 से 25 मई तक

सक्ती। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के मार्गदर्शन में सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग द्वारा सर्व विभागों के समन्वय से आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत जनभागीदारी अभियान - जनजातीय गरिमा उत्सव का आयोजन जिला स्तर पर 18 मई 2026 से 25 मई 2026 तक किया जाएगा।

यह अभियान पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत चिन्हांकित ग्रामों में संचालित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर संचालित आईईसी कैम्पेन जन भागीदारी- सबसे दूर, सबसे पहले थीम के अंतर्गत दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में जनसंपर्क स्थापित कर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

अभियान के दौरान सेवा संतृप्ति, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम, विभिन्न विभागों द्वारा जनहितकारी योजनाओं की जानकारी तथा आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत निर्मित सेवा केन्द्रों में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं को सूचीबद्ध कर उनके त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही अभियान अंतर्गत संचालित समस्त गतिविधियों का प्रगति प्रतिवेदन भी तैयार किया जाएगा।

कलेक्टर श्री तोपनो ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर इस जनहितैषी अभियान को सफल बनाएं तथा शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने में सहयोग प्रदान करें।

8 हजार गांवों में कल से पहुंचेंगे अफसर राशन-पेंशन मिलेगी

रायपुर। प्रदेश के दूर-दराज आदिवासी इलाकों में सरकारी योजनाओं का फायदा सीधे लोगों तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार 18 से 25 मई तक जन भागीदारी- सबसे दूर, सबसे पहले अभियान चलाने जा रही है। इस दौरान अफसर गांवों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे, जरूरी सेवाएं उपलब्ध कराएंगे और मौके पर समस्या का निराकरण किया जाएगा। इस अभियान में रायपुर जिले को छोड़कर पीएम जनमन के 1544 गांव और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के 6691 गांवों को शामिल किया गया है।

अबूझमाड़ के वनग्राम रायनार में बजी मोबाइल की घंटी

■ 940 से अधिक वनवासियों के जीवन में आया बड़ा बदलाव

श्रीकंचनपथ समाचार

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के सबसे अबूझ कहे जाने वाले अंचल 'अबूझमाड़' के घने जंगलों और पहाड़ों के बीच अब मोबाइल की घंटी गूंज उठी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर के सुदूर वनांचलों को मुख्यधारा से जोड़ने की मुहिम रंग ला रही है। इसी कड़ी में ओरछा विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम रायनार में नया मोबाइल टावर स्थापित कर एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की गई है। कल तक जो इलाका दुनिया की नजरों से ओझल और नेटवर्क से दूर था, वह अब सीधे डिजिटल दुनिया से कनेक्ट हो गया है।

नारायणपुर कलेक्टर ने बताया कि रायनार में स्थापित इस नए मोबाइल टावर से क्षेत्र के कई गांवों की तस्वीर बदल गई है। अब ग्राम रायनार (आबादी 590), झोरीगांव (आबादी 220), नुलवट्टी (आबादी 130) और डीडरभट्टी में पूरी तरह से मोबाइल नेटवर्क काम करने लगा है। इसके अलावा रेंगाबेड़ा और मडाली के आंशिक क्षेत्रों में भी सिग्नल पहुँच चुके हैं। इस सुविधा से 940 से अधिक ग्रामीणों को सदियों पुरानी भौगोलिक अलगाव की समस्या से मुक्ति मिल गई है। इससे पहले यहाँ के ग्रामीणों को सिर्फ एक फोन कॉल करने या सिग्नल ढूँढने के लिए ऊंचे पेड़ों, पहाड़ों या कई किलोमीटर दूर दूसरे गांवों तक भटकना पड़ता था। डिजिटल कनेक्टिविटी का यह नेटवर्क सिर्फ बातचीत का जरिया नहीं, बल्कि इस आदिवासी अंचल के विकास का नया हाईवे साबित होगा। अबूझमाड़ के बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा।

धर्म धाम पर्यटन

जनजातीय परम्परा और सनातन आस्था का प्रतीक है शंखिनी-डंकिनी संगम का मां दंतेश्वरी मंदिर

श्रीकंचनपथ समाचार

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दक्षिणी अंचल बस्तर की सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक चेतना का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र है दंतेवाड़ा स्थित दंतेश्वरी मंदिर। शंखिनी और डंकिनी नदियों के पवित्र संगम तट पर स्थित यह मंदिर केवल श्रद्धा का प्रतीक नहीं, बल्कि बस्तर की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जनजातीय परंपराओं का जीवंत दस्तावेज भी है।

देवी दंतेश्वरी को संपूर्ण बस्तर अंचल की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है और यह मंदिर देश के प्रमुख शक्तिपीठों में विशेष स्थान रखता है। मान्यता है कि जब माता सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में आत्मदाह किया और भगवान शिव उनके शरीर को लेकर तांडव करने लगे, तब भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से माता सती के शरीर के अंगों को पृथ्वी पर अलग-अलग स्थानों पर गिराया। जिस स्थान पर माता का दांत गिरा, वही स्थान आगे चलकर दंतेश्वरी कहलाया। इसी कारण दंतेवाड़ा को 52 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है।

इतिहासकारों के अनुसार दंतेश्वरी मंदिर का निर्माण लगभग 14वीं शताब्दी में काकतीय वंश के शासक राजा अन्नमदेव द्वारा कराया गया था। माना जाता है कि अन्नमदेव वारंगल से बस्तर आए थे और उन्होंने यहाँ काकतीय वंशी शासन की स्थापना की। देवी दंतेश्वरी उनकी आराध्य देवी थीं, इसलिए उन्होंने इस भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। समय- समय पर बस्तर रियासत के विभिन्न शासकों द्वारा मंदिर का जीर्णोद्धार भी कराया गया।

विशेष रूप से वर्ष 1932-33 में महारानी प्रफुल्ल कुमारी देवी द्वारा मंदिर के संरक्षण और पुनर्निर्माण का कार्य कराया गया था। ऐसा माना जाता है कि दंतेवाड़ा का नाम भी देवी दंतेश्वरी के नाम पर ही पड़ा माना जाता है और सदियों से यह मंदिर बस्तर के सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन का केंद्र बना हुआ है।

दंतेश्वरी मंदिर भारतीय प्राचीन स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर की संरचना में दक्षिण भारतीय और स्थानीय बस्तर शैली का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। विशाल पत्थरों से निर्मित इस मंदिर में सभा मंडप, मुख मंडप, महामंडप और गर्भगृह जैसे प्रमुख भाग हैं। मंदिर का ऊँचा शिखर दूर से ही श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित करता है। गर्भगृह में स्थापित देवी दंतेश्वरी की प्रतिमा काले ग्रेनाइट पत्थर से निर्मित है, जिसमें देवी को छह भुजाओं के साथ दर्शाया गया है। मंदिर परिसर में नक्काशीदार स्तंभ, प्राचीन मूर्तियां और पत्थरों पर की गई कलात्मक आकृतियाँ मध्यकालीन शिल्पकला की उत्कृष्टता को दर्शाती हैं। पुरातात्विक दृष्टि से यह मंदिर बस्तर के मध्यकालीन इतिहास और काकतीय वंशी स्थापत्य शैली का महत्वपूर्ण

साक्ष्य माना जाता है। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में मौजूद प्राचीन अवशेष इतिहासकारों और शोधकर्ताओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं।

दंतेश्वरी मंदिर का सबसे भव्य स्वरूप बस्तर दशहरा के दौरान दिखाई देता है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह उत्सव देश के अन्य दशहरा आयोजनों से पूरी तरह अलग और विशिष्ट है। यह पर्व देवी दंतेश्वरी को समर्पित होता है और इसमें बस्तर के विभिन्न जनजातीय समुदाय पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्यों के साथ भाग लेते हैं। बस्तर दशहरा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जनजातीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का विराट उत्सव है। नवरात्रि और फागुन मेले के समय भी यहाँ हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुँचते हैं और मंदिर परिसर दीपों तथा पारंपरिक सजावट से जगमगा उठता है।

शंखिनी और डंकिनी नदियों के संगम पर स्थित यह क्षेत्र घने जंगलों, पहाड़ियों और प्राकृतिक हरियाली से घिरा हुआ है। यहाँ आने वाले पर्यटकों को आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ बस्तर की जनजातीय संस्कृति और प्रकृति का अद्भुत अनुभव प्राप्त होता है। मंदिर के आसपास का वातावरण श्रद्धा और प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है।

दंतेश्वरी मंदिर तक पहुँचना काफी सुविधाजनक है। सड़क मार्ग से दंतेवाड़ा छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। रायपुर से इसकी दूरी लगभग 400 किलोमीटर है तथा रायपुर, जगदलपुर, बिलासपुर, दुर्ग और विशाखापट्टनम से नियमित बस सेवाएँ उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के माध्यम से सड़क यात्रा सहज और सुगम है। रेल मार्ग से दंतेवाड़ा रेलवे स्टेशन विशाखापट्टनम और जगदलपुर से जुड़ा हुआ है। किरंदुल रेलखंड भी इस क्षेत्र को रेल संपर्क प्रदान करता है। वायु मार्ग से आने वाले पर्यटकों के लिए निकटतम हवाई अड्डा जगदलपुर एयरपोर्ट है, जो लगभग 80 किलोमीटर दूर स्थित है। वहाँ से टैक्सी और बस सेवाओं के माध्यम से दंतेवाड़ा पहुँचा जा सकता है।

दंतेश्वरी मंदिर के आसपास अनेक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भी स्थित हैं, जिनमें चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान, बारसूर का प्राचीन मंदिर तथा ढोलकल का गणेश मंदिर प्रमुख हैं। यही कारण है कि दंतेवाड़ा धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ सांस्कृतिक और प्राकृतिक पर्यटन का भी महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950